हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 अंक : 304 प्रयागराज, शुक्रवार 17 फरवरी , 2023 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 3 रुपया

मोदी ने दिल्ली में किया आदि महोत्सव का उद्घाटन, बोले, देश गर्व के साथ जनजातीय आबादी के लिए काम कर रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश गर्व के साथ जनजातीय आबादी के लिए काम कर रहा है जो पहले कभी नहीं देखा गया। जनजातीय कल्याण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि समाज का हित उनके लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय है। प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली स्थित मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 16 से 27 फरवरी तक आयोजित ''आदि महोत्सव का उद्घाटन किया और इस दौरान अपने संबोधन में जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि द्रौपदी मुर्मू के रूप में पहली बार एक जनजातीय समाज की महिला ने देश के शीर्ष संवैधानिक पद को संभाला है। उन्होंने कहा कि समुदाय के लिए बजटीय आवंटन 2014 के बाद से कई गुना बढ़ाया गया है। उन्होंने दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के लोगों का आह्वान किया कि वे महोत्सव का दौरा करें और देश भर के विभिन्न क्षेत्रों की समश्द्ध जनजातीय संस्कृति का अनुभव लें और पौष्टिक खाद्य उत्पादों का स्वाद चखें। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आइए सुनिश्चित करें कि वे अपने सभी उत्पादों को बेच सकें। उन्होंने कहा कि सरकार अब दिल्ली से उन लोगों के पास जा रही है जिन्हें दूर सुदूर माना जाता था और उन्हें मुख्यधारा में ला रही है। उन्होंने कहा कि जनजातियों ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन दशकों से इन स्वर्णिम अध्यायों और समुदाय के पुरुषों और महिलाओं द्वारा किए गए बलिदानों को नजरअंदाज करने के प्रयास किए गए थे। उन्होंने कहा, ''अब अमश्त काल में देश ने अतीत के उन भूले–बिसरे अध्यायों को देश के सामने लाने का बीड़ा उठाया है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी उत्पादों की मांग को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। उन्होंने बताया कि जनजातीय समुदाय के 1.25 करोड़ से अधिक सदस्य, विशेष रूप से महिलाएं, देश भर में 80 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का हिस्सा हैं। ''आदि महोत्सव को प्रधानमंत्री ने विविधता में एकता के भारतीय सामर्थ्य को एक नई ऊंचाई देने वाला बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह महोत्सव विकास और विरासत के विचार को और अधिक जीवंत बना रहा है। जो पहले खुद को दूर–सुदूर समझता था अब सरकार उसके द्वार जा रही है, उसको मुख्यधारा में ला रही है। मोदी ने जनजातीय समुदाय से अपने लंबे जुड़ाव और काम को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक से लेकर भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में पहले गुजरात और फिर केंद्र में सरकार का नेतश्त्व करने के दौरान समुदाय के बीच काम किया। उन्होंने कहा, ''आदिवासी समाज का हित मेरे लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार वंचितों को वरीयता दे रही है और यही वजह है कि देश विकास के नए आयाम छू रहा है। उन्होंने कहा, ''आदिवासी समाज को लेकर आज देश जिस गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ है। आज भारत दुनिया के बड़े–बड़े मंचों पर जाता है तो आदिवासी परंपरा को अपनी विरासत और गौरव के रूप में प्रस्तुत करता है। मोदी ने कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि विदेशी नेताओं को दिए जाने वाले उपहारों में आदिवासियों द्वारा निर्मित उत्पाद शामिल हों।

वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी, कटड़ा के ताराकोट से सांझी छत तक तैयार होगा रोपवे

जम्मू। वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। अब 13 किमी की चढ़ाई वाला सफर महज छह मिनट में पूरा हो जाएगा। खबर है कि कटड़ा के ताराकोट से सांझी छत तक रोपवे बनेगा। बताया जा रहा है कि इस रोपवे पर 250 करोड़ से अधिक का खर्चा आएगा और एक बार बन जाने पर श्रद्धालु मात्र 6 मिनट में ही 13 किमी का सफर कर वैष्णो देवी के दरबार तक पहुंच जाएंगें। कटड़ा से लेकर मां के दरबार की हवाई दूरी 2. 4 किमी है जिस पर रोपवे का निर्माण किया जाना है।

अधिकारियों के मुताबिक, यह परियोजना कटरा आधार शिविर के पास ताराकोट से शुरू होगी और सांझीछत पर समाप्त होगी, जो पवित्र मंदिर से आधा किलोमीटर दूर है। रोपवे में 1,500 व्यक्ति प्रति घंटे की क्षमता वाली गोंडोला केबल कार प्रणाली होगी। 5,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्रिकुटा पहाड़ों में स्थित, वैष्णो देवी की गुफा रियासी जिले में स्थित है। वर्ष 2022 में 91 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा का दौरा किया था, उनमें से अधिकांश ने कटड़ा के आधार शिविर से लगभग 13 किमी की चढ़ाई की थी।

क्या रामसेतु घोषित होगा राष्ट्रीय स्मारक? सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जताई सहमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर उस जनहित याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर बृहस्पतिवार को सहमत हो गया जिसमें केंद्र को रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ एवं न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता की इस अर्जी पर संज्ञान लिया कि अब तक इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं किया गया है और इसलिए जनहित याचिका को अब सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''संविधान पीठ के मामलों में सुनवाई खत्म करने के बाद हम इसे सूचीबद्ध करेंगे। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण को लेकर दिल्ली–केंद्र विवाद सहित विभिन्न मामलों में सुनवाई कर रही है। शीर्ष अदालत को इससे पहले 19 जनवरी को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया था कि केंद्र 'रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने संबंधी मामले को देख रहा है। अदालत ने केंद्र से इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए कहा था और स्वामी से कहा था कि अगर वह इससे संतुष्ट नहीं हों तो वे इस मुद्दे पर अपने अंतरिम आवेदन के निपटारा के लिए उसके समक्ष फिर से अर्जी देने को स्वतंत्र हैं। पीठ ने कहा, ''सॉलिसिटर जनरल से पता चला कि संस्कृति मंत्रालय में वर्तमान में प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता (स्वामी) अगर चाहें तो अतिरिक्त अर्जी दे सकते हैं।ष स्वामी ने कहा था, ''मैं किसी से मिलना नहीं चाहताकृ हम एक ही पार्टी में हैं, यह हमारे घोषणा पत्र का हिस्सा है। उन्हें छह हफ्ते में या जब भी फैसला करने दीजिए।ष भाजपा नेता ने कहा था, ''मैं फिर आऊंगा। स्वामी ने कहा था कि 2019 में तत्कालीन संस्कृति मंत्री प्रह्लाद पटेल ने इस मुद्दे पर बैठक बुलाई थी और उन्होंने रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने के लिए सिफारिश की थी। उन्होंने कहा था, ''मुद्दा यह है कि उन्हें तो 'हां या 'ना कहना होगा। विधि अधिकारी ने कहा था कि सरकार इस मामले में विचार कर रही है। इससे पूर्व शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह फरवरी के दूसरे हफ्ते में स्वामी की याचिका पर सुनवाई करेगी।

भारत-फिजी ने वीजा छूट समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिजी के राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में उसका साझीदार बनना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। जयशंकर ने रेखांकित किया कि दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संबंधों के जरिए ''निकट एवं पुराने संबंध रहे हैं। जयशंकर ने फिजी के प्रधानमंत्री सित्विनी राबुका के साथ यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत एवं फिजी ने वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, ''इससे दोनों देशों के बीच यात्रा को प्रोत्साहित करने में निश्चित ही काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''भारत और फिजी के बीच घनिष्ठ और पुराने संबंध हैं और मुझे लगता है कि इसमें दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंधों का बड़ा योगदान है।ष जयशंकर ने कहा, ''फिजी के राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में उसके साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रो में साझीदार बनना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। हमने गन्ना उद्योग में परियोजनाएं की हैं। हमने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम किया है और हमने आज वार्ता के दौरान आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) और मध्यम एवं लघु उपक्रमों के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। हमारे सामने वास्ध्तव में बहुत ही ठोस द्विपक्षीय एजेंडा है। दोनों नेताओं ने हिंद–प्रशांत समेत साझा हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा, ''हमने अंतरराष्ट्रीय संगठनों में मजबूती से काम करते हुए अपने बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में और निकटता से काम करने पर सहमति जताई। हमने विशेष रूप से प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि भारत फिजी को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा, ''हमें आगामी महीनों में भारत प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (थ्प्च्प्ब्) के तीसरे शिखर सम्मेलन की सह–मेजबानी करने की उम्मीद है और हम इस अवसर पर फिजी की उपस्थिति और नेतश्त्व को निश्चित रूप से महत्व देंगे। हिंद–प्रशांत एक जैव–भौगोलिक क्षेत्र है, जिसमें दक्षिण चीन सागर सहित हिंद महासागर और पश्चिमी एवं मध्य प्रशांत महासागर शामिल हैं।

प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट ने अजय मिश्रा उर्फ टेनी को दी बड़ी राहत

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के खिलाफ प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में दाखिल मशतक के पिता संतोष गुप्ता की पुनरीक्षण याचिका को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने खारिज कर दिया है। न्यायालय ने पाया कि याची संतोष गुप्ता की मश्त्यु वर्ष 2005 में ही हो चुकी है, वहीं दोषमुक्ति को अपील के माध्यम से राज्य सरकार ने भी चुनौती दे रखी है। न्यायालय ने कहा कि इन परिस्थितियों में याची के कानूनी वारिस को सरकार की अपील में सुनवाई का अवसर देना उचित होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने पारित किया है। वहीं न्यायालय ने सरकार की अपील में प्रभात गुप्ता के भाई राजीव गुप्ता की ओर से उनके वकील द्वारा दाखिल वकालतनामा को भी रिकॉर्ड पर लेने का आदेश दिया है। उक्त अपील में सोमवार से दिन प्रतिदिन सुनवाई चल रही है। फिलहाल राज्य सरकार के अधिवक्ता द्वारा बहस की जा रही है। मामले की गुरूवार को भी सुनवाई होगी।

कांग्रेस के भविष्य पर शशि थरूर की बेबाक राय, बोले- अब दूसरे लोगों को आगे कदम बढ़ाना चाहिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का चुनाव होने की स्थिति में प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरने की संभावना को बृहस्पतिवार को वस्तुतरू खारिज करते हुए कहा कि पार्टी अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के बाद अब वह संगठन के किसी अन्य चुनाव में उतरने के बारे में विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब चुनाव के संदर्भ में दूसरे लोगों को आगे कदम बढ़ाना है। थरूर ने कांग्रेस के आगामी पूर्ण अधिवेशन के संदर्भ में दिए साक्षात्कार में कहा कि यह अधिवेशन पार्टी के इतिहास में ऐसे मोड़ पर आया है जब अध्यक्ष पद का चुनाव और 'भारत जोड़ो यात्राश संपन्न हुई है तथा 2024 का लोकसभा चुनाव आने वाला है। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा कि इस पूर्ण अधिवेशन से अधिक बेहतर समय इसके लिए नहीं हो सकता है जब पार्टी सदस्यों को इस बारे में चर्चा करने का अवसर मिल रहा है कि हमने क्या हासिल किया है और भविष्य में कौन सी चुनौतियां आने वाली हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अधिवेशन के दौरान सीडब्ल्यूसी का चुनाव कराना पार्टी के लिए जरूरी है और क्या उन्होंने यह विषय कांग्रेस के नेतृत्व के साथ उठाया है तो थरूर ने कहा, ''मैं यह कह चुका हूं कि चुनाव पार्टी के लिए फायदेमंद होते हैं। मैं भी एक चुनाव में खड़ा हुआ और उसमें हार गया। मुझे लगता है कि यह मेरा काम नहीं है कि मैं पार्टी नेतृत्व को बताऊं कि क्या करना है। उन्हें वो कदम उठाने दीजिए जो वो उचित समझते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में बहुमत की राय के आधार पर निर्णय होगा। थरूर ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि अगर ज्यादातर डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) चुनाव चाहते हैं तो चुनाव होगा और अगर ये चाहते हैं कि फिलहाल चुनाव नहीं हो और आगे बढ़ा जाए तो फिर वह भी एक विकल्प होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने एक बार चुनाव लड़ा, अपनी बात रखी और चुनाव नहीं जीता या डेलीगेट के बहुमत के करीब नहीं पहुंच पाया तो ऐसे में मुझे लगता है कि मैं एक ही चीज की मांग (चुनाव) नहीं करता रहूं। उनके अनुसार, वह सीडब्बल्यूसी का चुनाव कराने की मांग से थोड़ा पीछे हट रहे हैं तथा ऐसा नहीं है कि अपने कहे से पीछे हट रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि सीडब्ल्यूसी के चुनाव के संदर्भ में ऐसा सिर्फ इसलिए कह रहे हैं कि वह अपनी बात पहले रख चुके हैं तथा अब अध्यक्ष का चुनाव जीतने वाले और पार्टी के कर्ता–धर्ताओं को ज्यादातर डेलीगेट के साथ बातचीत करके फैसला करना है।

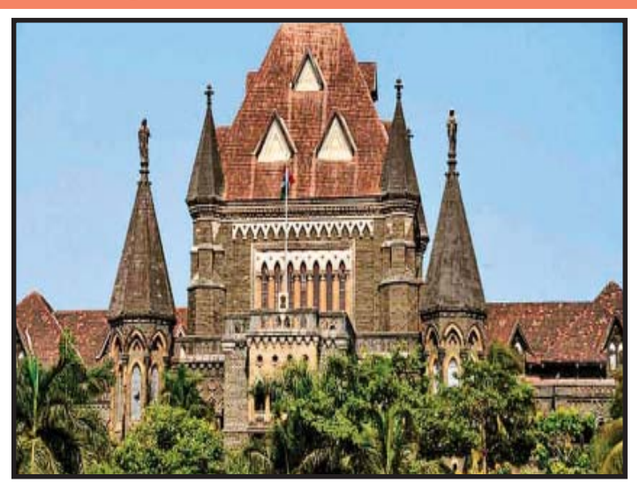

बच्चे का पासपोर्ट जारी करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय को भेजा नोटिस

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने एक वर्षीय अफगानी बच्चे के लिए भारतीय पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध करने वाली पुणे स्थित दत्तक ग्रहण एजेंसी की एक याचिका पर केंद्रीय गश्ह मंत्रालय को एक नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने 14 फरवरी के अपने आदेश में मामले के समाधान के लिए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह या उनके कार्यालय के किसी अधिवक्ता से मदद करने को कहा। पीठ ने 'भारतीय समाज सेवा केंद्र दत्तक ग्रहण एजेंसी की याचिका पर सुनवाई के दौरान गश्ह मंत्रालय को नोटिस जारी किया। याचिका में बच्चे के लिए भारतीय पासपोर्ट जारी करने का गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया कि एटलस, जो अब एक साल का है, उसे उसके अफगानी माता–पिता नौ सितंबर, 2021 को एजेंसी को सौंप गए थे और उस समय एटलस केवल एक दिन का था। याचिका में कहा गया है कि एटलस का जन्म भारत में हुआ है और इसलिए वह भारतीय पासपोर्ट का हकदार है। इसमें कहा गया है कि बच्चे को अभी तक गोद लेने के लिए स्वतंत्रधफिट घोषित नहीं किया गया है और एटलस के नाम पर नागरिकता दस्तावेज नहीं होने के कारण यह प्रक्रिया बाधित हो सकती है। याचिका में कहा गया है कि यदि बच्चे के पास यात्रा पासपोर्ट नहीं होगा, तो विदेश में उसे गोद लेने वाले माता–पिता के लिए उसे देश से बाहर ले जाना संभव नहीं हो पाएगा। अदालत ने उल्लेख किया कि केंद्रीय गश्ह मंत्रालय ने कहा है कि पासपोर्ट न होने के कारण गोद लेने के लिए स्वतंत्र, फिट घोषित करने की प्रक्रिया बाधित नहीं हुई। अदालत ने अपने आदेश में कहा, ''यह तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन हमारे सामने जो मुद्दा रखा गया है, वह भविष्य की समस्या को भांपते हुए रखा गया है। यदि एटलस को गोद लेने के लिए फिट घोषित कर भी दिया जाता है, तो उसे गोद लेने वाले माता–पिता नहीं मिल पाएंगे और उसे यात्रा दस्तावेज के बिना सफलतापूर्वक गोद नहीं लिया जा सकता। अदालत ने कहा कि चूंकि यह मुद्दा ''संकीर्ण है और ''विवादास्पद नहीं है, इसे गश्ह मंत्रालय की ओर से भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय के किसी भी अधिवक्ता के सहयोग से हल किया जा सकता है।

पीठ ने गृह मंत्रालय को एक नोटिस जारी किया और याचिका की एक प्रति सहायता के लिए सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय में भेजने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए एक मार्च की तारीख तय की है।

राहुल गांधी ने विशेषाधिकार हनन नोटिस का कई पन्नों में भेजा जवाब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा सचिवालय को विशेषाधिकार हनन नोटिस का जवाब भेज दिया है। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपने भाषण पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और संसदीय मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी के विशेषाधिकार प्रस्ताव पर उन्हें नोटिस पर लोकसभा सचिवालय को जवाब दे दिया। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने सचिवालय की ओर से दी गई समयसीमा के भीतर अपना जवाब दे दिया है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने लोकसभा में की गई अपनी टिप्पणी को सही ठहराते हुए विभिन्न कानूनों का हवाला दिया है और कई पन्नों में अपना जवाब भेजा है। दरअसल सात फरवरी को संसद में पीएम नरेंद्र मोदी पर की गईं टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ नोटिस जारी किया गया था, जिसका जवाब उन्हें 15 फरवरी तक देना था। इस मामले से परिचित लोगों ने बताया कि कांग्रेस सांसद ने यह जवाब बुधवार को भेज दिया है। हालांकि उनके जवाब को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी ने सभी आरोपों का जवाब दिया है और तथ्यों व मिसाल के आधार पर जवाब दिया गया है। गौरतलब है कि राहुल गांधी के संसदीय भाषण के खिलाफ भाजपा सांसदों द्वारा शिकायतें की गई थी कि उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में अपने भाषण के दौरान अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाए थे। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा था कि राहुल गांधी ने बिना किसी दस्तावेजी सबूत के आरोप लगाकर सदन को गुमराह किया है।

अमित शाह ने दिल्ली पुलिसकर्मियों को स्थापना दिवस पर दी बधाई

नई दिल्ली। आज दिल्ली पुलिस का स्थापना दिवस है। इस मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं वो दिल्ली पुलिस में शामिल हो रहे 6 मोबाइल फॉरेंसिक वाहन को भी जनता को समर्पित करेंगे। इस खास मौके पर अमित शाह ने दिल्ली पुलिसकर्मियों को स्थापना दिवस पर बधाई भी दी। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए कहा कि सभी दिल्ली पुलिस कर्मियों को उनके 76वें स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई। उन्होंने बल के आधुनिकीकरण में नए मानदंड स्थापित करते हुए दिल्ली के लोगों की सेवा करने में उल्लेखनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया है। आज स्थापना दिवस परेड में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। जानकारी के मुताबिक केन्द्रीय गश्ह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज दिल्ली पुलिस के स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा अमित शाह पासपोर्ट सत्यापन की पूर्णतय ऑनलाइन सुविधा और दिल्ली पुलिस में शामिल हो रहे 6 मोबाइल फॉरेंसिक वाहन जनता को समर्पित करेंगे। गौरतलब है कि 16 फरवरी को दिल्ली पुलिस का स्थापना दिवस मनाया जाता है। 1948 में पंजाब पुलिस से अलग होने के बाद इसी दिन डीडब्ल्यू मेहरा को दिल्ली पुलिस का पहला प्रमुख नियुक्त किया गया था। इसलिए हर साल 16 फरवरी का दिन दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के रूप में मनाती है।

सम्पादकीय

बीबीसी पर वक्र दृष्टि

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत में स्वतंत्र मीडिया को अपरिहार्य माना जाता रहा है। हाल के वर्षों में कई प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों पर आयकर छापों के बाद अब ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन यानी बीबीसी के दिल्ली–मुंबई स्थित कार्यालय आयकर विभाग के निशाने पर आये हैं। विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि सरकार के खिलाफ मुखर लोगों और मीडिया संस्थानों को केंद्र सरकार की एजेंसियां ईडी और आयकर विभाग निशाने पर लेती रही हैं। वर्ष 2002 के गुजरात दंगों में तत्कालीन मोदी सरकार की भूमिका पर बनी एक विवादित डॉक्यूमेंट्री के प्रसारण के बाद बीबीसी पर केंद्र सरकार की भश्कुटि तनी हुई है। जिसके बाद मंगलवार व बुधवार को आयकर विभाग के दस्ते की छापेमारी चलती रही है। जिसके खिलाफ भारतीय पत्रकार संगठन और विदेशी मीडिया संस्थान लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं बीबीसी का कहना है कि हमारा पत्रकारिता से जुड़ा काम आम दिनों की तरह चलता रहेगा और हम श्रोताओं–दर्शकों को सेवाएं देने को वचनबद्ध हैं। विपक्षी कांग्रेस व तश्णमूल कांग्रेस आदि दल सरकार की कार्रवाई को निराशाजनक बताते हुए कह रहे हैं कि केंद्र सरकार आलोचना सहन नहीं करती। साथ ही सरकार के इस कदम को अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण बताया। वहीं भाजपा बीबीसी को औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित बता रही है कि किसी विदेशी मीडिया को तब तक भारत में काम करने की आजादी है जब तक भारत की अस्मिता से खिलवाड़ न हो। साथ ही दलील दी जा रही है कि ये तलाशी कानून के दायरे में है और इसकी टाइमिंग से सरकार का कोई लेना–देना नहीं। वहीं तश्णमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी का कहना है कि प्रेस की आजादी को सरकारी एजेंसियों के दबाव से प्रभावित किया जा रहा है। नियंत्रित करने के प्रयास से ही मीडिया बेबाकी से आवाज नहीं उठा पा रहा है। वहीं एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का कहना है कि सरकार व सरकारी संस्थानों की आलोचना करने वाले मीडिया संस्थानों को परेशान करने के लिये एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। निस्संदेह, मीडिया संस्थानों पर सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचने की आशंका है। दुनिया में नागरिक स्वतंत्रता और मीडिया की आजादी की वकालत करने वाली संस्थाएं कह रही हैं कि बीबीसी द्वारा प्रसारित डॉक्यूमेंट्री के बाद केंद्र सरकार डराने की कार्रवाई कर रही है। अमेरिका ने भी खुले तौर पर तो इस मामले में प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन कहा है कि हम दुनियाभर में स्वतंत्र प्रेस की जरूरत मानते हैं। अभिव्यक्ति की आजादी को मानव अधिकार के रूप में देखते हैं। स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान देता है। प्रेस की आजादी ने भारत में लोकतंत्र को मजबूत किया है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया गुजरात दंगों में राज्य सरकार की विफलता को दर्शाने वाली डॉक्यूमेंट्री को सेंसर किये जाने के तीन हफ्ते के बाद बीबीसी के दफ्तरों में आयकर विभाग की छापेमारी को बदले की कार्रवाई बता रहा है।

एक और श्रद्धा कांड

देश में जिस तरह से महिलाओं के जघन्य हत्याकांड सामने आ रहे हैं उससे भारतीय समाज के हिंसक होने के संकेत साफ मिल रहे हैं। समाज में बढ़ती हिंसक वशति से केवल महिलाएं ही नहीं हर शख्स खौफ में है। मानवीय संबंधों में जिस तरह से महिलाओं की निर्मम हत्याएं हो रही हैं उसे लेकर बहुत सारे सवाल उठ खड़े हुए हैं। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर श्रद्धा हत्याकांड जैसी एक और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। नजफगढ़ के एक बाहरी गांव के इलाके में स्थित एक ढाबे के फ्रिज में निक्की यादव नामक लड़की की लाश मिलने के बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। मृतका अपने ब्वायफ्रैंड के साथ लिव–इन रिलेशन में थी लेकिन ब्वायफ्रैंड किसी दूसरी लड़की से शादी करने की तैयारी में था। इस पर दोनों में विवाद हुआ जिसके बाद आरोपी ने लड़की की हत्या कर दी। खास बात यह है कि आरोपी हत्यारे ने सुबह मर्डर किया और शाम को दूसरी लड़की के साथ शादी भी कर ली। यद्यपि समाज लिव– इन रिलेशनशिप पर सवाल उठाता रहा है लेकिन जो कुछ समाज में हो रहा है वह पाश्विकता की हद है। विवाहिक हो या सहमति संबंध, हिंसात्मक व्यवहार और अंत को बीमार दृष्टिकोण से नहीं समझा जा सकता। श्रद्धा हत्याकांड जैसे कई कांड सामने आ चुके हैं। एक के बाद एक टुकड़ों–टुकड़ों में शव मिल रहे हैं। समाज बार–बार सिहर उठता है। इस सिहरन को कुछ दिन ही बीते हैं कि नया हत्याकांड सामने आ जाता है। करीब दस साल पहले दिल्ली में चलती बस में निर्भया से बलात्कार और उसकी हत्या की बर्बर घटना सामने आई थी, तब देशभर में उसे लेकर एक आंदोलन खड़ा हो गया था। लगभग सब लोगों के भीतर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता थी। उसके बाद सरकार ने कार्रवाई की, पीडित महिलाओं के लिए निर्भया कोष बनाने से लेकर पहले से ज्यादा सख्त कानूनी प्रावधान किए गए। तब न सिर्फ महिलाओं के खिलाफ अपराध ा को लेकर देश में एक आक्रोश की लहर देखी गई थी, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता का भी माहौल बनता दिखा था। उससे यह उम्मीद जगी थी कि निर्भया के खिलाफ बर्बरता की इंतहा से दुखी समाज में कम से कम भविष्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक संवेदना और जिम्मेदारी का विकास हो सकेगा लेकिन उसके बाद के वर्षों में महिलाओं का जीवन जिस तरह लगातार जोखिम और अपराध से दो–चार होता रहा, उससे यही लगता है कि सामाजिक जागरूकता के समांतर ही चौकसी के साथ कानूनी कार्रवाई में सख्ती की बेहद जरूरत है ताकि किसी भी लड़की या महिला के खिलाफ अपराध करने से पहले अपराधियों के हौंसले को तोड़ा जा सके। कभी महिलाओं की हत्याओं को साम्प्रदायिक रंग दे दिया जाता है। कभी बलात्कारियों और हत्यारों के समर्थन में समाज का एक वर्ग उठखड़ा होता है। कभी आरोपियों का महिमा मंडन किया जाता है। अपराधियों को लोग सम्मानित करते हैं। इससे हमारे सामाजिक मूल्यों को गहरा आघात लगा है। जब अपराधिक मानसिकता वाले लोग कानून से बेखौफ होकर घूमने लगे तो अपराध पर लगाम कैसे लगाई जा सकती है। हत्यारा पुरुष हो या महिला उसके दिमाग में ऐसा क्या चल रहा था कि उसने हत्या करने के बाद क्रूरतम कदम उठाया। ऐसा अपराध करने की मानसिकता कोई एक दिन में विकसित नहीं होती। यह देखना भी जरूरी है कि अपराध करने वाला व्यक्ति किस परिवेश में पला–बढ़ा है। उसकी बचपन से लेकर बड़े होने तक सोच कैसी रही है और उसके आचरण पर उसका कैसा प्रभाव पड़ा है। यह साफ है कि परिवार बच्चों में नैतिक और पारिवारिक संस्कार देने में विफल हो रहे हैं। महिलाओं पर बढ़ते अपराध की मुख्य वजह समाज में विकृत मानसिकता के मनुष्य हैं, जो मनुष्य कहलाने के योग्य भी नहीं हैं। मानवता और मानवीय रिश्तों को शर्मसार करने वाले ये लोग महिलाओं को मात्र उपभोग की वस्तु समझते हैं। ऐसे पथभ्रष्ट और कुसंस्कारी पुरुषध्अपने बच्चों को क्या शिक्षा देंगे? मात्र कानून बनाने से ही समस्या का समाधान नहीं होगा, सामाजिक जिम्मेदारी में भी सुधार की आवश्यकता है। महिलाओं को भी खुलकर शिकायत करनी होगी।

समाज में आए खुलेपन के चलते वर्जनाएं टूट रही हैं। युवक–युवतियों में खुलापन बढ़ रहा है। लिव–इन रिलेशनशिप को कानून भी न तो अपराध ा मानता है और न ही अनैतिक। आज के दौर में पारिवारिक मूल्य खत्म हो चुके हैं। भावनात्मक जुड़ाव कम केवल अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए एक–दूसरे का सहारा लिया जा रहा है। समस्या यह है कि हम अपराध को अलग–अलग चश्मे से देखते हैं। जबकि अपराध को अपराध की दृष्टि से ही देखा जाना चाहिए। प्रदूषित सामाजिक हवाओं को कैसे रोका जाए, यह सवाल सबके सामने हैं। समाज को उसकी संवेदनशीलता का अहसास कैसे कराया जाए। समाज में उच्च मूल्य कैसे स्थापित किए जाएं, यह चिता का विषय है। समाज को एक सशस्त्र सामाजिक आंदोलन की जरूरत है। समाज को हिंसक होने की त्रासदी से बचाने के लिए धर्मगुरुओं, समाज सुधारकों, शिक्षाविदों को आगे आना होगा। शिक्षा संस्थानों में नैतिक शिक्षा पर जोर देना होगा। समाज की मानसिकता बदलेगी तभी सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

आज का राशिफल

मेष :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

बृषभ :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। कोई नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्रखें दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने श्त्रे बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– अपनी भावुकता पर नियंतण्रखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है। माता के स्वास्थ के प्रति कुछ चिन्ताएं होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

त्रिपुरा के त्रिकोणीय चुनाव

भारत के उत्तर–पूर्व के छोटे से राज्य त्रिपुरा में आज विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। यह राज्य बंगलादेश की सीमाओं से सटा हुआ है और इस कदर सटा हुआ है कि इसकी राजधानी अगरतला का बाहरी हिस्सा बंगलादेश की सीमाओं में आता है। यह इलाका बह्मन वाड़ी कहलाता है जबकि काजी रोड अगरतला के भीतर है। भारत के उत्तरी क्षेत्र के लोग त्रिपुरा को सिने संगीत सम्राट स्व. सचिन देव बर्मन की वजह से भी पहचानते हैं। स्व. एस.डी. बर्मन पूर्व त्रिपुरा रियासत के राजकुमार भी थे परन्तु यह आदिवासी बहुल राज्य है जिस पर मार्क्सवादी पार्टी का दो दशकों से भी अधिक समय तक शासन रहा परन्तु पिछले 2018 के चुनावों में भाजपा ने इस शासन को उखाड़ फैंका और अपनी सरकार गठित की। सबसे अधिक आश्चर्य यह रहा कि 2013 के चुनावों में मात्र दो प्रतिशत वोट पाने वाली भाजपा 2018 में पूर्ण बहुमत में आयी और 60 सदस्यीय विधानसभा में उसे 40 से अधिक सीटें अपने सहयोगी दलों के साथ मिलीं। इन चुनावों में भाजपा का मुख्य सहयोगी दल आदिवासी व जनजातियों की पार्टी 'आईपीएफटी' थी परन्तु इस बार के चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि राज्य की राजनीति में लम्बे अरसे तक एक–दूसरे की प्रमुख प्रतिद्वद्वी रही मार्क्सवादी पार्टी व कांग्रेस आपस में साझा मोर्चा बना कर भाजपा का मुकाबला कर रही हैं और तीसरी तरफ त्रिपुरा की पूर्व रियासत शाही वंशज प्रद्युत देव बर्मन ने अपनी अलग जनजातीय व आदिवासी पार्टी 'तिपरा मोथा' का गठन करके ताल ठोकी है। इस वजह से यह चुनाव त्रिकोणीय माना जा रहा है क्योंकि राज्य के आदिवासी इलाकों में देव बर्मन की पार्टी के प्रति लोगों में भारी उत्साह है। इस पार्टी की प्रमुख मांग है कि राज्य के जनजातीय व आदिवासी लोगों को राज्य के भीतर ही स्वायत्तशासी अधिकार इस प्रकार दिये जायें जिससे उनकी भाषा से लेकर संस्कृति तक का विकास हो और अपने ही राज्य में उन्हें हीनभावना का शिकार न होना पड़े। हालांकि इस तरफ पहले से ही यह व्यवस्था आदिवासी क्षेत्र के लिए 'त्रिपुरा जनजातीय स्वायत्त जिला परिषद' का गठन करके की गई थी परन्तु इसका कोई खास असर जनजातीय क्षेत्रों पर नहीं हो सका। अतः श्री प्रद्युत देव बर्मन की पार्टी तिपरा मोथा ने वृहद त्रिपुरा लैंड की मांग करते हुए आदिवासी समाज को सशक्त करने की आवाज उठाई है। उल्लेखनीय यह है कि त्रिपुरा के क्षेत्रफल का 70 प्रतिशत हिस्सा जनजातीय है और विधानसभा की 60 में से 20 सीटें इस समाज के लिए आरक्षित हैं। अतः श्री देव बर्मन को इन चुनावों में सन्तुलक या किंग मेकर समझा जा रहा है। श्री देव बर्मन पिछले चुनावों से पहले कांग्रेस में ही थे और पार्टी के प्रमुख स्तम्भ समझे जाते थे परन्तु शीर्ष नेतृत्व द्वारा राज्य में पार्टी संगठन पर ध्यान न दिये जाने की वजह से इनका कांग्रेस से मोह भंग हो गया था। कालान्तर में इन्होंने अपनी अलग पार्टी पहले एक समाजसेवी संगठन के रूप में शुरू की और बाद में इसे राजनीतिक आवरण दे दिया। जहां तक सत्ताधारी भाजपा का सवाल है तो 2018 के चुनावों के बाद इसे अपना मुख्यमन्त्री बदलना पड़ा क्योंकि पिछले मुख्यमन्त्री ऐसी बेतुकी बयानबाजी करते थे जिसकी वजह से न केवल जग हंसाई होती थी बल्कि उनके कच्चे व आधे–अधूरे ज्ञान का भी प्रदर्शन होता था। पिछले चुनावों में जो सबसे बड़ी घटना हुई थी वह यह थी कि राज्य की जनता का मार्क्सवादी पार्टी व कांग्रेस की राजनीति से मोहभंग हो गया था और उन्होंने राजनैतिक पटल पर प्रभावकारी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रही भाजपा को अपना समर्थन दे दिया था। सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को हुआ था क्योंकि उसका पूरा जनाधार खिसक कर भाजपा के खेमे में चला गया था। इससे पूर्व मार्क्सवादी पार्टी और भाजपा में जो लड़ाई चलती थी उसमें कांग्रेस का वोट प्रतिशत 40 से ऊपर रहता था और मार्क्सवादी पार्टी का 50 से ऊपर। भाजपा ने यह समीकरण बुरी तरह तोड़ डाला। इस बार भी कांग्रेस पार्टी मार्क्सवादी पार्टी के साथ पिछले पायदान पर ही है और वह केवल 13 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है जबकि मार्क्सवादी 40 पर और शेष पर कुछ अन्य छोटे सहयोगी दल। इस छोटे से राज्य में चुनावी लड़ाई बहुत दिलचस्प है क्योंकि बीच में तिपरा मोथा के आ जाने से भाजपा व वाम मोर्चा दोनों के ही समीकरण बिगड़ सकते हैं। सत्ता की चाबी श्री प्रद्युत देव बर्मन के हाथ में जा सकती है। मगर राज्य में बंगला भाषी जनसंख्या भी अच्छी खासी है जिसकी वजह से प. बंगाल की मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस भी चुनावी मैदान में है। हालांकि इस पार्टी को राज्य के मतदाता बहुत गंभीरता से नहीं ले रहे हैं परन्तु फिर भी इसके प्रत्याशी बंगलाभाषियों को कितना रिझा पायेंगे, यह देखने वाली बात होगी। देखने वाली बात यह भी होगी कि तृणमूल कांग्रेस भाजपा के वोट काटती है अथवा वाम मोर्चा के। इसका पता तो नतीजों वाले दिन 2 मार्च को ही चलेगा। **–आदित्य नारायण**

राहुल के लिए संदेश

राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा को खत्म हुए 15 दिन हो चुके हैं। यात्रा में रोजाना कितने लोग उमड़े, किन दिग्गज हस्तियों का साथ राहुल को मिला, कैसे अलग–अलग तबकों के लोगों ने राहुल से बातें की, इन सब से जुड़ी खबरें और तस्वीरें ट्विटर से लेकर तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भरी पड़ी रहती थी। राहुल और मौसम, राहुल और उनकी टी शर्ट, राहुल की प्रेस कांफ्रेंस ऐसे तमाम विषय खबरों के केंद्र में रहे। अपनी मां सोनिया गांधी के जूते के फीते बांधना या उन्हें प्यार से गले लगाना, बहन प्रियंका के साथ उनकी शरारतें, एक–दूसरे के साथ बर्फ का खेल खेलना इन तस्वीरों को देखकर भी राहुल के प्रशंसक, समर्थक मुदित होते रहे। जब राहुल गांधी ने टीशर्ट के सफेद से लाल हो जाने की बात कही, तो बहुत से लोग भावुक हो गए। कुल मिलाकर भावनाओं का ज्वार, खबरों के साथ पूरे 5 महीने तक उमड़ता रहा। लेकिन इस ज्वार को उतरने में अधिक वक्त नहीं लगा। आंखों से ओझल तो, दिमाग से भी ओझल वाला उदाहरण यहां बिल्कुल सटीक बैठता है। अब यात्रा नहीं हो रही, राहुल गांधी सड़कों पर नहीं दिख रहे, तो फिर लोगों को भी यात्रा की याद करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं रहेगी। वैसे तो राहुल गांधी ने चार हजार किमी की पदयात्रा को आध्यात्मिक भाव से ही संपन्न किया और उनके साथियों ने भी इसे भारत को जोड़ने की यात्रा बताने पर जोर दिया, चुनाव जीतने की नहीं। फिर भी अगर किसी ने यह मुगालता पाल रखा हो कि यात्रा का चुनावी लाभ मिलेगा, तो इस भुलावे से जितना जल्दी निकला जा सके, उतना अच्छा होगा। दुनिया हमेशा निर्मम रही है। जब भारत के लोगों को गांधीजी की शहादत को गांधी वध बताने और फिर गोडसे–गांधी को एक पायदान पर खड़ा करते देख कोई अफसोस नहीं होता, तो वे भला राहुल के पैर के छालों या घुटनों के दर्द को क्यों याद रखेंगे।

उन्हें क्या फर्क पड़ेगा कि राहुल गांधी ने किन उद्देश्यों के लिए भारत जोड़ो यात्रा की और वे इस देश को बचाने के लिए भविष्य के किन खतरों से आगाह कर रहे हैं। लोग यह देख रहे हैं कि कांग्रेस के नेता ही राहुल गांधी के विचारों के साथ नहीं हैं। लोग देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में कुछ दूर पैदल चल कर फोटो खिंचाने वाले नेता, अब उन लोगों के साथ सहज प्रसन्नता के साथ फोटो खिंचा रहे हैं, प्रीतिभोज कर रहे हैं, जिन्होंने गांधी परिवार और राहुल गांधी की छवि खराब करने में जरा सी कसर नहीं छोड़ी। लोग देख रहे हैं कि कांग्रेस के भीतर चुनाव जीतने की कोई इच्छाशक्ति नहीं है, लेकिन उसके नेताओं में सत्ता का केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा है। तो फिर लोग कांग्रेस का साथ क्यों देंगे। सत्ता की चाह भाजपा में है, और वह इसे बिल्कुल नहीं छिपाती। अमित शाह साफ–साफ ऐलान करते हैं कि 2024 का चुनाव हम जीतेंगे, हमारे मुकाबले कोई नहीं है। और इस ऐलान के साथ वे चुनाव जीतने की रणनीति भी बनाते हैं, दिन–रात उसके लिए न केवल खुद मेहनत करते हैं, बल्कि अपने कार्यकर्ताओं और बाकी नेताओं से भी करवाते हैं। लेकिन भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस नेता रणनीतिक मेहनत करने की जगह लंच डिप्लोमेसी में लगे हैं। जिन राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव हैं, उनमें से दो में कांग्रेस की सरकार है। 2018 में बड़ी मुश्किल से राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सत्ता कांग्रेस को मिली थी। यह जीत राहुल गांधी के नेतृत्व में मिली थी, लेकिन कांग्रेस के विभीषणों ने ऐसी चाल चली कि मध्यप्रदेश की सत्ता हाथ से गई, राजस्थान में सरकार पर संकट आ गया और उसके बाद सारे के सारे चुनाव कांग्रेस हारती गई। ले–देकर हिमाचल प्रदेश में अभी जीत मिली, तो हार का सिलसिला जरा सा रुका है। अब फिर जीतने की चुनौती सामने है, लेकिन इस चुनौती से निपटने की तैयारी कांग्रेस में जरा सी भी दिखाई नहीं दे रही है। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी थे, तो मजबूरी में मीडिया में उसकी थोड़ी बहुत चर्चा हो गई। लेकिन हाथ से हाथ जोड़ो अभियान पर मुख्य मीडिया में कहीं कोई बात होती नहीं दिख रही है। कांग्रेस के मीडिया मैनेजमेंट की कमजोरी के जो लक्षण डॉ.मनमोहन सिंह सरकार के वक्त दिखाई दे रहे थे, वो अब पूरी तरह अपना असर दिखा रहे हैं। मीडिया में कांग्रेस की जो तस्वीरें आ रही हैं, वो मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री से भेंट की हैं या फिर सचिन पायलट और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के आवासों पर हुए प्रीतिभोज की, जिनमें नेहरू–गांधी परिवार से नफरत दिखाने वाले पत्रकार इन नेताओं से प्रेमभाव प्रदर्शित कर रहे हैं। धीरेन्द्र शास्त्री के पाखंड को पिछले दिनों अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के सदस्यों से चुनौती मिली थी। धार्मिक कथा सुनाते हुए धीरेन्द्र शास्त्री किस तरह सांप्रदायिक वैमनस्य की बात करते हैं, बुलडोजर चलाने का समर्थन करते हैं, यह देश के सामने है। ऐसे में कांग्रेस नेता कमलनाथ क्या सोचकर उनसे भेंट करने पहुंचे, ये तो वही जानें।

मुमकिन है इसमें उन्हें कोई चुनावी लाभ दिखाई दिया हो, लेकिन इतना तय है कि इस मुलाकात का असर दीर्घकाल में कांग्रेस के लिए अच्छा नहीं रहेगा। क्योंकि धीरेन्द्र शास्त्री की सोच, नेहरू–गांधीवादी सोच से जरा भी मेल नहीं खाती है। अगर कमलनाथ जी की उनमें कोई आस्था है, तो फिर उसका सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं होना चाहिए था। इधर राजस्थान में भी सचिन पायलट आखिर किस दिशा में उड़ान भरना चाहते हैं, इसकी खबर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को समय रहते ले लेनी चाहिए। जी टीवी के बाद अब आज तक में अपने कार्यक्रम के जरिए हमेशा नेहरू परिवार पर उंगली उठाने वाले एक पत्रकार ने सचिन पायलट के साथ अपनी तस्वीर साझा की और साथ में शानदार लंच करने की बात बताई। सचिन पायलट ने अपने पिता राजेश पायलट की तरह दिल्ली में किसान लंच का आयोजन किया और इस बार मीडिया से जुड़े कई नामी लोगों को खास तौर पर बुलाया।

हो सकता है राजस्थान चुनाव में अपना पलड़ा भारी रखने के लिए उन्हें मीडिया के इन मित्रों की उपयोगिता नजर आई हो, लेकिन क्या यह मित्रता कांग्रेस के लिए घातक साबित हो सकती है, आलाकमान को इस बारे में विचार कर लेना चाहिए। जो पत्रकार सचिन पायलट के साथ दोस्ताना अंदाज में फोटो खिंचाते नजर आए, वही याराना भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और दीपेन्द्र सिंह हुड्डा के साथ भी उन्होंने दिखाया। क्या यह राहुल गांधी के लिए संदेश है कि उनका मुकाबला केवल भाजपा से नहीं, मीडिया और कांग्रेस के साथियों से भी है।

विरोध की कल्चर और मीडिया

फिल्म पठान का विरोध हुआ तो वह सुपर हिट हुई। रामचरितमानस का विरोध किया गया तो वह पहले से भी अधिक पापूलर हुई। एक तरफ पठान ने पिछले दो सप्ताह में नौ सौ करोड़ रुपये कमाए दूसरी तरफ रामचरितमानस की मांग इतनी बढ़ी कि प्रकाशक गीता प्रेसग् गोरखपुर उसे पूरी तक नहीं कर पा रहा। इन उदाहरणों से सिद्ध होता है कि जिसका विरोध किया जाता हैग् वह और भी पापूलर हो उठता है। पहले जिसका विरोध होता उसे बुरा और अस्वीकार्य माना जाता था। विरोधी को हीनताग्रंथि का माराग् खिसियाया माना जाता। सकारात्मक नायकों का जमाना था। नायक अपने नहींग् दूसरों के लिए जीतादृमरता। लेकिन जब से समाज में एंटी हीरो यानी खलनायक की स्वीकृति बढ़ी तब से विरोध में भी वेल्यू देखी जाने लगी । हम मीडिया और पापूलर कल्चर में बने ऐसे कुछ उदाहरणों को देख सकते हैं फिल्म पद्मावत का जितना विरोध हुआ । पदमावत उतना ही हिट हुई। हनुमान चालीसा का विरोध हुआ तो हनुमान चालीसा हिट हुई। इसी तरह पिछले दिनों एक युवा बाबा का विरोध हुआ तो वे और भी पापूलर हुए। और तो औरग् बाबा राम रहीम का विरोध हुआ तो शुरू में माना गया कि जरूर बाबा की गलती रही होगी। मीडिया ने भी बाबा को खलनायक की तरह पेश किया लेकिन जैसे ही बाबा को जेल से परोल मिला वे फिर दरबार करके और भी हिट होने लगे। ऐसे कई उदाहरण बताते हैं कि विरोध की कल्चर फायदेमंद हो चली है। जिसका जितना विरोध किया जाता हैग् उसे उतनी ही हमदर्दी मिलती है। जिसकी प्रशंसा की जाती हैग् उस पर शक किया जाता है। मानकर चला जाता है कि प्रशंसा प्रायोजित होती हैग् प्रशंसा कराई जाती हैग् खरीदी जाती हैग् उसे सच्चा नहींग् झूठा माना जाता है। इसलिए उस पर यकीन नहीं किया जाता। लेकिन विरोध सच्चा होता है। विरोध करने वाले के पास विरोध का कारण होता है। उसकी भावनाएं अक्सर आहत हो जाती हैं और वो विरोध करने लगता है।

भावना भावना को जगाती है। विरोध बढने लगता है। इस तरह से विरोध ा में ताकत पैदा हो जाती है। ताकत पैदा होते ही उसे हमदर्दी मिलने लगती है। लोग सोचने लगते हैं कि इसके साथ जरूर कुछ ज्यादती हुई है। उसे न्याय मिलना चाहिए। इस संदर्भ में हम पठान की बात करें। पहले उसका विरोध किया गया तो बड़ी खबर बनी। लेकिन जब फिल्म में वांछित संशोधन कर दिए गए तो मामला निपटा मानना चाहिए था लेकिन फिर भी कुछ सिरफिरों ने विरोध जारी रखा जिसे जनता ने नहीं माना। उसने इस तरह के विरोध को न्यस्त स्वार्थों द्वारा किया जाता विरोध माना और पठान हिट हो गई। यद्यपि मानस और पठान में कोई तुलना नहीं हो सकती। कहां मामूली मनोरंजक फिल्म और कहां हिन्दू समाज का धर्मग्रंथ जिसे ग्रियर्सन ने हिंदुओं की बाइबिल कहा था। मानस पर विवाद के उठते ही मीडिया उसे दिखाने लगा। मानस का विरोध करने वाले कहते रहे कि इसकी कुछ चौपाइयां आपत्तिजनक हैंग् जातिवादी घृणा फैलाती हैंग् उनको हटा दिया जाना चाहिए लेकिन कुछ के मन में मानस के प्रति इतनी अधिक घृणा रही कि वे उसे जलाते दिखे। एक ओर मानस के असंख्य प्रेमी दूसरी ओर मानस के चंद विरोधी। विरोधियों के इस अंध विरोध और अंध ा घृणा को आम जनता ने अस्वीकार कर दिया। मानस के विरोध ने मानस के प्रति हमदर्दी तो पैदा की ही उसे और भी पापूलर कर दिया। उसके लिए एक नया मारकेट खड़ा कर दिया जिसकी मांग की आपूर्ति करना तक मुश्किल हो रहा है। मानस का जितना विरोध हुआ उतनी ही उसके प्रति जिज्ञासा बढ़ी । इस तरह उसका सर्कुलेशन भी होने लगा। मानस की ताकत उसके विराट सर्कुलेशन में रही।

कई परीक्षा केन्द्रों का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में मौजूद हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड से जुड़े शिक्षा संस्थानों में परीक्षाएं प्रारम्भ हो गयी। पूरी दुनिया की इस सबसे पुरानी और आज तक निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित हो रही बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्च अधिकारियों और सभी जिलों के जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का बंदोबस्त किया है। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ ही पूरी उत्तर प्रदेश सरकार इन परीक्षाओं को लेकर सक्रियता के साथ जुटी है। शिक्षा विभाग के सूत्रों की माने तो उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की इन विश्व प्रसिद्ध बोर्ड परीक्षाओं का इतिहास सीधे तौर पर लखनऊ की जमीन से जुटा है। कैसरबाग स्थित अमीरूद्दौला पब्लिक लाइब्रेरी के बगल में मौजूद राजा राम पाल सिंह पार्क के बीचोंबीच में लगी राजा राम पाल सिंह की मूर्ति आज भी मौजूद है। जो दुनिया की इस अनोखी शिक्षा प्रणाली और यूपी बोर्ड परीक्षाओं की आयोजिना के केन्द्रीय सूत्रधार कहे जाते है। अपने समय के सबसे बड़े शिक्षाविदों में से एक राजा राम पाल सिंह ने लखनऊ के कॉल्विन तालुकेदार

कालेज के छात्रों के लिए जिस एकीकृत पाठ्यक्रम के साथ ही बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था दी थीएवही आगे चलकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद और यूपी बोर्ड परीक्षाओं के रूप में परिणत हुई है। हलांकि इस बार की बोर्ड परीक्षाओं में किसी प्रकार के बहारी हस्ताक्षेप की सम्भावना को रोकने के लिए परीक्षाओं से जुड़े अधिकारियों शिक्षकों और स्कूल प्रबंधकों तक को मीडिया से बात करने पर रोक लगाई गई है। लेकिन अपने स्तर से तरूणमित्र ने पाठकों तक पहुंचाने के लिए कुछ आवश्यक जानकारियां जुटायी है। वहींए विद्यांत इंटर कालेजएकालीचरण इंटर कालेज हुसैनाबाद इंटर कालेज अमीनाबाद इंटर कालेज और जुबली इंटर कालेज में नियमित छात्रों की परीक्षाएं ठीक समय पर प्रारम्भ हो गयी। जिनमें इन छात्रों के प्रवेश पत्र इत्यादि की सुचारू व्यवस्था देखी गयी। अधिकांश केन्द्रों पर पुलिस प्रशासन के स्तर से शांति बनाए रखने और परीक्षा व्यवस्था में जुटे अधिकारियों के सहयोग के लिए विशेष इंतजाम किए गए है। लालबाग क्षेत्र के इस्लामिया इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में दो पालियों में छात्रों ने सफलतापूर्वक परीक्षा दी। वहींएयहां हाईस्कूल के 19 सेंटर और इंटरमीडिएट के 17 सेंटर पड़े हैं। वहीं हाईस्कूल के 417 छात्र और इंटरमीडिएट के 426 छात्र परीक्षा के लिए पंजीकृत रहे।बाक्स. यूपी बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का डीएम ने लिया जायजा राजधानी में गुरुवार से प्रारम्भ हुई यूपी बोर्ड परीक्षाओं का जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें सबसे पहले वो सेंटेनियल इंटर कॉलेज पहुंचे और वहां चल रही हाईकूल बोर्ड की परीक्षा का जायजा लिया। इसके बाद जिलाधिकारी ने क्वींस एंग्लो संस्कृत इंटर कॉलेज कॉलेज का दौरा किया। इसके पश्चात डीएम ने इस्लामिया इंटर कॉलेज पहुंचकर वहां चल रही प्रथम पाली की हाईस्कूल परीक्षा
का निरीक्षण किया और परीक्षा तैयारियों की सराहना करते हुए कई कक्षों में जाकर देखाएजहां उन्होंने पाया कि परीक्षा केन्द्र में सभी तरह की व्यवस्थाएं दुरुस्त है।

पुलिस की सक्रियता के चलते कानपुर देहात जैसा कांड होते-होते टला

सिधौली (सीतापुर)। ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के दौरान एक झोपड़ी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग भयंकर रूप लेने लगी लेकिन तभी मौके पर मौजूद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आग पर काबू पाया और कानपुर देहात जैसा हादसा होते–होते टल गया। आपको बता दें कि अभी पिछले दिनों कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के मड़ौली गांव में अतिक्रमण हटाने के दौरान झोपड़ी में आग लग गई थी।

जिसमें मां बेटी जिंदा जल गई थी। इस घटना ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया था। घटना के बाद एसडीएम लेखपाल समेत 39 ज्ञात अज्ञात लोगों पर एफ आई आर दर्ज हुई थी। ऐसा ही एक मामला सिधौली तहसील क्षेत्र के कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरौरा कला मजरा खानपुर में होते–होते बचा। जानकारों की माने तो सरौरा कला मजरा खानपुर निवासी लज्जावती का ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा था। जिस को हटाने के लिए राजस्व टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची थी। बताते हैं कि जब जेसीबी ने अस्थाई कब्जा हटाना शुरू किया। उसी दौरान झोपड़ी में आग लग गई।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में शुरू हुई बोर्ड परीक्षा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

महोली (सीतापुर)। गुरुवार को शिक्षा विभाग द्वारा नगर में स्थापित परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर मीडिएट परीक्षा शुरू कराई गई। सरकार द्वारा नकल विहीन पारदर्शी बोर्ड परीक्षा कराने और पेपर लीक न होने के लिए कड़ी व्यवस्था की गई है। किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए इस बार उत्तर पुस्तिकाओं में बार कोड का निर्धारण भी किया जा सकता है। ऐसे में पेपर लीक अथवा गड़बड़ी करने वाले नकल माफियाओं पर रासुका लग सकता है, तो गैंगेस्टर की कार्य वाही भी हो सकती है।16 फरवरी की सुबह सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में शुरू हुई बोर्ड परीक्षाएं पहली पाली में सबेरे 8 से 11.15 और दूसरी पाली में दोपहर 2 से 5.15 बजे तक चली। सभी परीक्षार्थियों को केंद्र पर समय से एक घंटा पूर्व आना

अनिवार्य किया गया है। तहसील के सबसे बड़े केंद्र कृषक इंटर कॉलेज पर करीब एक हजार से अधिक छात्र–छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। राधा कृष्ण सत्यप्रभा इंटर कॉलेज, उमाशंकर इंटर कॉलेज आफ साइंस, विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और जीजीआईसी इंटर कॉलेज आदि परीक्षा केंद्रों में परीक्षा दे रहे तमाम छात्र–छात्राओं में शासन की सख्ती का असर दिखाई दिया। इस दौरान सचल दस्ते द्वारा परीक्षा केंद्रों पर स्थलीय निरीक्षण कर चल रही परीक्षा का जायजा लिया गया। सशस्त्र पुलिस कर्मियों की भी तैनाती परीक्षा के दौरान केंद्रों पर रही। केंद्र प्रभारियों के अनुसार बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्र में प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर दोनों पारियों में परीक्षा एसटीएफ व एल आईयू की निगरानी में भी रहेगी।

हाईस्कूल में पहली बार ओएमआर सीट पर 20 अंकों की परीक्षा हो रही है। इसका प्रारूप वेबसाइट पर ऑनलाइन किया गया, ताकि परीक्षार्थी अच्छे ढंग से तैयारी करके अधिक अंक प्राप्त कर सकें।

संक्षिप्त खबरे

आलू भरी खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ी बाइक, बाइक सवार की मौत

हरपालपुर,हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के बरंडारी–श्रीमऊ मार्ग पर गुरुवार को भदार पुल के पास आलू भरी खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से तेज रफ्तार बाइक की भिड़ंत हो गई।जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बाइक चालक घायल हो गया है। जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। अरवल थाना क्षेत्र के श्रीमऊ गांव के मजरा कड़रियापुरवा निवासी विनोद 28 वर्ष की भतीजी शिल्पी पुत्री सुरेंद्र की गुरुवार को बारात आनी थी। जिसके लिए वह अपने भतीजे सुधीर 20 वर्ष पुत्र कृपाशंकर के साथ बाइक से सांडी कस्बे में सब्जी की खरीदारी करके घर वापस आ रहा था। बाइक सुधीर चला रहा था। तभी बरंडारी श्रीमऊ मार्ग पर भदार पुल के पास आलू भरी खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में तेज रफ्तार बाइक भिड़ गई। जिससे विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका भतीजा सुधीर घायल हुआ है। जिसे सीएचसी हरपालपुर में भर्ती कराया गया है। विनोद की मौत के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक विनोद के परिवार में पत्नी रेनू के अलावा 2 पुत्र व एक पुत्री हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक चालक ने हेलमेट नहीं लगाया था।

संदिग्ध परिस्थितियों में की गई अधेड़ की हत्या

पहला (सीतापुर)। थाना रामपुर कला के ग्रामसभा सरवा जलालपुर के मजरा लोकीपुर में रामपाल पुत्र नत्था उम्र लगभग 45 वर्ष देशराज यादव के मडहा में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गये। रामपाल की पत्नी राजकुमारी के द्वारा बताया गया कि जब हम लोगों ने देर देखी तो मेरा पुत्र संजय और मैं खोजने निकले तो देशराज के मडहे से पंकज पुत्र श्यामलाल, भरोसे पुत्र सरजू, राकेश पुत्र बुद्धा निवासीगण लोकीपुर भागते हुये दिखाई दिये और कुछ लोग गन्ने के खेत में भाग गये। मौके पर थाना रामपुर कला के एसचो जितेंद्र कुमार सिंह, सीओ सिधौली यादवेंद्र यादव एवं एसएचओ कमलापुर पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

पैदल राहगीर की बाइक की टक्कर लगने से हुई मौत

लालगंज,रायबरेली । लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एनएच 232 गोविंदपुर वलौली गांव के पास बाइक की टक्कर लगने से सड़क पार कर रहा राहगीर गुरुवार रात 8 बजे के करीब गंभीर रूप से घायल हो गया था ।मौके पर मौजूद भाजपा नेता सुशील शुक्ला ने एंबुलेंस बुलाकर घायल को लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया था जहां चिकित्सकों ने उसे इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया था ।जिला अस्पताल से भी डॉक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर ले जाने की सलाह दी ।घरवाले उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ ले जा रहे थे ।रास्ते में ही उसकी रात में मौत हो गई।जिसके बाद परिवारी जनों में कोहराम मच गया ।वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जरूरी कार्यवाही पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक शंकर उर्फ पप्पी सोनकर (45) पुत्र बदलू निवासी शांति नगर लालगंज पैदल घर वापस आ रहे थे। तभी पीछे से आ रहे एक बाइक सवार की ठोकर लगने से हुए गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद बाइक सवार युवक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी रचना और पुत्र अंगद को बेसहारा छोड़ गया है।

नल से पानी भरने को लेकर हुई मारपीट

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के डकौली मजरे ऐहार गांव में नल से पानी भरने को लेकर मारपीट की घटना हुई है। घटना की शिकायत पुलिस से करते हुए शील यादव पुत्री बालेश्वर यादव ने बताया कि वह नल से पाइप के द्वारा घर में पानी भर रही थी। तभी गांव के ही बबलू, विपिन और राजरानी ने उसे पानी भरने से रोका और पाइप से उसके ऊपर हमला बोल दिया। बचाने दौड़े उसके बुजुर्ग पिता को भी मारा पीटा। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दिया है। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना के बाद कार्यवाही होगी।

चमनगंज में दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग: आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

कानपुर। शहर के चमनगंज में देर रात दो गुटों में खून संघर्ष होते बचा। ताबड़तोड़ दोनों पक्षों से गोलियां चली। दहशत के चलते लोग अपने घरों में छिप गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर चमनगंज थाने के साथ ही कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है। चमनगंज के फहीमाबाद केडीए कॉलोनी निवासी शन्नो ने दबंगों के खिलाफ चमनगंज थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी की रात रेडीमेड मार्केट बेकनगंज निवासी गाजीखान अपना जन्मदिन वफा अब्बास समेत 50 से 60 लोगों के साथ मना रहा था। इस दौरान ताबड़तोड़ हवाई फायरिंग और आतिशबाजी भी कर रहे थे।इलाके के लोगों ने मना किया तो आरोपित गाली गलौज कर भाग गए। इलाकाई लोगों ने बताया कि आरोपी वफा अब्बास की इलाके के अन्नू पिस्टल से वर्चस्व को लेकर दुश्मनी चलती है। सोमवार को बर्थडे पार्टी में हर्ष फायरिंग का विरोध अन्नू पिस्टल के परिजनों ने भी किया था।अन्नू पिस्टल और इलाके के लोगों से रंजिश का बदला लेने के लिए दबंगों ने बुधवार देर रात दोबारा हमला बोल दिया। एक बार फिर ताबड़तोड़ हवाई फायरिंग की और इलाके के लोगों को धमकी देते हुए भाग निकला। जवाब में इधर से भी मोहल्ले के लोगों ने फायर झोंका। मामले की जानकारी मिलते ही चमनगंज थाने की पुलिस मौके पर जांच करने पेहुंची।

बीच सड़क पर बनी पक्की दुकान आने जाने वाले परेशान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उन्नाव। स्थानीय शहर में जहां एक तरफ नपा लगातार अतिक्रमण अभियान चला रही है। इधर, ट्रेडर्स वाले अपना अतिक्रमण मौरंग सड़क पर फैला देते है। इससे स्थानीय राहगीरों को निकलने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।जानकारों की माने तो बीते करीबन 6 माह पूर्व लोकनगर क्रासिंग से सरिया मिल की तरफ जाने वाला मार्ग बना लेकिन आज स्थिति बद से बदतर हो गयी है। कारण ट्रेडर्स की दुकान में आने वाली मौरंग जो कि डंफरो से आती है। इससे सड़क जल्द ही खराब हो गयी। लोकनगर निवासी शिकायतकर्ता अनिल सिंह, रामनरेश, विशाल यादव, बउवा तिवारी, दिनेश आदि ने बताया कि बलराम ट्रेडर्स का मालिक बलराम यादव वही सड़क पर डंफर से मौरंग डंप करता है। इससे इंटरलाकिंग

क्षतिग्रस्त हो गयी है। इससे क्रॉसिंग की वजह से जाम लगता है दूसरी तरफ वहा से गुजरने वाले लोग अक्सर चुटहिल होते है। इतना ही नही ट्रेडर्स की दुकान के मालिक मौरंग डंपिंग करने के साथ ही पक्की पान की दुकान सड़क पर ही बना ली है। इस कब्जेदारी से सड़क से गुजरने वाले लोगो को घूमकर निकलना पड़ता है। जाम की एक प्रमुख वजह ये भी मानी जा रही है। स्थानीय लोगो ने अवैध रूप से बनी दुकान को तत्काल हटवाने की मांग की है। इसके साथ ही सड़क पर मौरंग डंपिंग करने पर जुर्माना व कार्यवाही की मांग भी की है।इस सम्बंध में जब ईओ ओमप्रकाश से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आपके द्वारा जानकारी हुई है जल्द ही अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण किया जाएगा। इतना ही नही अवैध कब्जेदारों पर 20 हजार से एक लाख तक का जुर्माना भी किया जाएगा।

बलरामपुर अस्पताल सीएमएस की सक्रियता से मरीज को मिला इलाज

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में सुबह से घंटों से लाइन में लगे रहे मरीजों को इलाज मिल पाना असंभव हो गया था। इस असंभव कार्य को संभव करने वाले कोई और नहीं वहीं अस्पताल के सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता ने किया। ज्ञात हो कि गुरूवार को अस्पताल की न्यू ओपीडी में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.आकांक्षा को दिखाने के लिए कई मरीज सुबह से लाइन में खड़े रहे।

नतीजा यह हुआ कि ओपीडी का टाइम खत्म हुआ और डॉ. केबिन छोड़ कर बाहर जाने लगी,उस दौरान मरीजों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। मरीजों का आरोप है कि अस्पताल कर्मचारियों ने मेरे साथ धक्कामुक्की करके बाहर कर दिया, जिससे इलाज नहीं मिला। जिसमें दिखाने आए मरीजों में मनोरमा निगम, सुरैय्या खातून,मो.वसीम, मो.कमर,कई अन्य समेत यह सभी मरीज लखनऊ के निवासी है।

131 केंद्रों पर यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू:पेपर देने जा रही छात्रा हादसे का शिकार

कानपुर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हो गईं। सुबह अपने तय समय से पहले ही छात्र अपने–अपने सेंटर पहुंच गए। पहला दिन होने के चलते ज्यादातर छात्र अपने पेरेंट्स के साथ जल्दी पहुंचे। कानपुर में हाईस्कूल के 51,541 और इंटरमीडिएट के 49,278 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। यह परीक्षा 131 केंद्रों पर कराई जा रही है। पहली बार एक भी संवेदनशील या अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है। पहले दिन हाईस्कूल हिंदी, इंटरमीडिएट हिंदी और सैन्य विज्ञान के पेपर था।परीक्षा कक्षों में रोल नंबर स्लिप आदि लगाकर सिटिंग अरेंजमेंट किया गया है। वहीं परीक्षा से एक दिन पहले ही छात्रों के पेरेंट्स परीक्षा सेंटर देखने आते रहे ताकि उन्हें परीक्षा के दिन किसी तरह की परेशानी न हो।परीक्षा केंद्र या कक्ष में प्रवेश करते समय पुरुष छात्राओं की तलाशी नहीं ले रहे हैं। महिला टीचर ही छात्राओं की तलाशी ले रही हैं। इस बार कड़े निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षार्थियों के जूते–मोजे नहीं उतरवाए गए। यदि किसी छात्र की परीक्षा के दौरान तबीयत खराब होती है तो केंद्र व्यवस्थापक को जानकारी देकर उसका प्राथमिक उपचार नजदीक के किसी प्राथमिक उपचार केंद्र पर कराया जाएगा।बीमारी में परीक्षा देने पहुंची छात्रा बीएनएसडी शिक्षा निकेतन की छात्रा आर्या शुक्ला बीमार होने के बाद भी 10वीं की परीक्षा देने के लिए पहुंची। मां कस्तूरबा स्कूल में उसका सेंटर पड़ा है। मां वर्षा ने बताया कि पनकी से यहां परीक्षा देने के लिए आए हैं। कई दिन से बेटी बुखार और अन्य बीमारियों से पीड़ित है। बुखार में ही उसने परीक्षा की तैयारी की है। परीक्षा देने जा रही छात्रा की वैन पलटी हनुमंत विहार गल्ला मंडी के पास परीक्षा देने जा रही छात्रा की वैन ड्राइवर की गलती से पलट गई।

जीएम व डीआरएम को कमियों से करायें अवगत: महानिदेशक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। महानिदेशक संरक्षा रेलवे बोर्ड ब्रज मोहन अग्रवाल ने गुरुवार को कार्यकारी निदेशक संरक्षा तेज प्रकाश अग्रवाल के साथ संरक्षा के दृष्टिगत पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ–गोंडा के मध्य पावदान संरक्षा का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम के साथ प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मुकेश मेहरोत्रा और लखनऊ मण्डल के मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधकध्द गतिशक्ति राघवेंद्र कुमार व अन्य शाखाधिकारी मौजूद रहें। इस दौरान उन्होंने चौकाघाट–घाघरा घाट स्टेशनों के मध्य एलगिन ब्रिज संख्या 391 तथा उक्त रेलखण्ड पर स्थित स्टेशन भवन, रेलवे ट्रैक, रेलवे यार्ड, सिग्नल, ओएचई, लेवल क्रॉसिंग गेट्स आदि की स्थिति को देखा। एनईआर के तहत गोंडा पहुंचने पर महानिदेशक संरक्षा ने संरक्षा अधिकारियों के साथ लोको शेड किया।

उन्होंने ओवरहालिंग अनुभाग, बोगी अनुभाग, विद्युत रनिंग शेड के इंफ्रास्ट्रक्चर व उक्त अनुभागों में लोको के रखरखाव तथा शेड्यूल अनुरक्षण कार्य का जायजा लिया। लोको शेड गोण्डा सभागार में वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियरध्टीआरएस आशीष मद्धेशिया ने लोको शेड की संरचना, अनुरक्षण कार्य प्रणाली, कर्मचारियों की टेकूनिंग व संरक्षा सामग्री, आपदा प्रबन्धन उपकरणों की पर्याप्तता पर प्रस्तुतीकरण दिया। चर्चा के दौरान श्री अग्रवाल ने कहा कि संरक्षा सर्वोपरि है। संरक्षा जांच में पायी गयी कमियों को दूर करने तथा आने वाली समस्याओं के निदान के लिये निरंतर महाप्रबन्धक तथा मंडल रेल प्रबंधक को विशेष रूप से अवगत कराया जाए।

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर दर्दनाक मृत्यु

कछौना,हरदोई। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत लखनऊ हरदोई पलिया मार्ग पर ज्ञानपुर तिराहे व बसंत सिंह मार्केट के पास एक अनियंत्रित कार की टक्कर से दो मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए। जिसमें एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। इस घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है।बताते चलें, अपराह्न लखनऊ हरदोई पलिया मार्ग पर बसंत सिंह मार्केट के पास लखनऊ की तरफ से तेज गति से आ रही अनियंत्रित मारुति सुजुकी यू०पी० 30 क्यू० 8535 ने दो मोटरसाइकिल चालकों को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें स्प्लेंडर बाइक चालक यू०पी० 30 ए०एक्स० 9082 छत्रपाल पुत्र रामचरण निवासी गुड़ियारा मलिहाबाद को पहले टक्कर मारी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छत्रपाल आवश्यक वस्तु निगम गोदाम कछौना पर प्राइवेट रूप से कार्यरत हैं।

ट्राला से भिड़ी रोडवेज, मची चीख पुकार, कई हुए घायल

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ कानपुर हाईवे पर टोल प्लाजा के पास उरई डिपो की बस सड़क पर खड़े ट्राला में पीछे से जा टकराई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। पुलिस और एनएचएआई की टीम में रेस्क्यू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में बस के ड्राइवर क्लीनर समेत 25 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। सोहरामऊ में टोल प्लाजा के पास देर रात एक खराब ट्राला खड़ा था। चालक वहीं पर गाड़ी छोड़ कर चला गया। गुरुवार सुबह तकरीबन सात बजे कानपुर जा रही उरई डिपो की बस उसी ट्राला में जा टकराई। हादसे में बस के आगे का हिस्सा पूरी क्षतिग्रस्त हो गया। बस चालक सुरेंद्र निवासी घाटमपुर कानपुर स्टीयरिंग के बीच फंस गया जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। हादसे में क्लीनर धर्मपाल निवासी हमीरपुर के अलावा यात्रियों में रोहित सिंह, राहुल यादव, विजयकांत, प्रमोद कुमार, सोनू, विशाल श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव आदि समेत 25 लोग मामूली घायल हुए हैं।

नर्सिंग की शपथ लेती प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राएं

अयोध्या। गुरूवार को को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र दर्शन नगर में एएनएम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं प्रथम बैच की छात्राओं ने आज प्रशिक्षण केंद्र अयोजित लैंप लाइटिंग और शपथ ग्रहण समारोह में छात्राओं ने कैंडल जलाकर मानव सेवा, दृढ़ता,कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना रखने की शपथ ली। समारोह का शुभारंभ अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण अयोध्या मण्डल डा अशोक कुमार श्रीवास्तव और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय राजा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती को नमन करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर किया। लैंप लाइटिंग और शपथ ग्रहण समारोह फ्लोरेंस नाइटेंगल, दी लेडी विद लैंप को श्रद्धांजलि है। यह समारोह छात्रों को नर्सिंग के महान पेशे में आरंभध् शुरुआत करता है। लैंप लाइटिंग इन युवा छात्रों के बीमार और घायलों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित किए जाने के दृढ़ निर्णय को दर्शाता है। समारोह के अवसर पर अपर निदेशक ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण उपरान्त आप सभी निःस्वार्थ भाव से मानव सेवा करेंगे और बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों को सेवा देंगे। हम सभी मरीजों को दवा के साथ साथ अपने व्यवहार से भी ठीक करने का प्रयास करेंगे।

अरवल पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी की हत्या का किया खुलासा

हरदोई। 10 दिन पूर्व एक सरसों के खेत में 16 साल की किशोरी की हत्या का खुलासा पुलिस ने किया है।किशोरी की हत्या झूठी शान की खातिर उसके सगे नाबालिग भाई , चाचा और चचेरे बाबा ने गला घोट कर कर दी थी। हत्या करने के बाद इन लोगों ने मिलकर शव को सरसों के खेत में फेंक दिया था और हत्या में किशोरी के प्रेमी समेत चार लोगों को नामजद किया था। पुलिस की जांच में मामला ऑनर किलिंग का निकला जिसके बाद पुलिस ने हत्या में शामिल 3 लोगों को गिरफ्तार किया है इनमें किशोरी का नाबालिग भाई भी हैपुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने आहूत प्रेस वार्ता में बताया कि अरवल थाना पुलिस और स्वाट टीम ने दलवीर और भैया लाल दोनों बानामऊ गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनको 5 फरवरी को गांव के सरसों के खेत में कलक्टर सिंह की पुत्री पूजा की गला घोटकर हत्या करके फेंके गए शव के मामले में इन दोनों सहित तीन लोगो को गिरफ्तार किया है। इनमे दलवीर मृतक का सगा चाचा जबकि भैयालाल रिश्ते में बाबा लगता है जबकि तीसरा मृतक का नाबालिग भाई है। दरअसल पूजा का अपने गांव के ही पाल बिरादरी के युवक कमलेश से प्रेम संबंध थे। पूजा राजपूत बिरादरी से ताल्लुक रखती थी। दोनों की अलग बिरादरी होने और एक गांव के होने की वजह से दोनों के परिवार रजामंद नहीं थे। तब कमलेश किशोरी को लेकर फरार हो गया था जिसके बाद किशोरी के परिवार वालों ने पुलिस थाने में कमलेश के खिलाफ बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने पूजा को बरामद करके 30 जनवरी को परिवार वालों को सुपुर्द कर दिया था।बताया जाता है कि 1 फरवरी को पूजा पुनः लापता हो गई जिसके बाद परिवार वालों ने उसे गांव में ही अगले दिन खोज निकाला और उसे कमलेश से सभी संबंध खत्म करके समझाने का प्रयास किया लेकिन पूजा अपने प्रेमी के ही साथ जाने की जिद ठान ली। तब उसके सगे भाई , चाचा और एक चचेरे बाबा ने झूठी शान की खातिर उसको ठिकाने लगाने का फैसला कर लिया। जिसके बाद यह लोग उसे बगल के गांव में एक सरसों के खेत में ले गए जहां पहले इन लोगों ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन जब उसने इन लोगों की बात मानने से इंकार कर दिया तो उसी के ही दुपट्टे से गला घोट कर हत्या कर दी और शव को खेत में ही फेंक दिया। शव मिलने के बाद मृतका के परिवार वालों ने किशोरी के प्रेमी पर उसे दोबारा भगा ले जाने और हत्या करने का आरोप लगा कर 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। पूरे मामले में जब पुलिस ने विवेचना की तो मुकदमे में नामजद प्रेमी और उसके परिवार के लोगों की कोई लोकेशन घटनास्थल के आसपास नहीं मिली जिसके बाद पुलिस ने परिवार वालों को अलग–अलग बैठाकर पूछताछ की तो परिवार वालों के बयानों में अंतर आने के बाद जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो मृतका के भाई ने पूरी घटना से पर्दा उठा दिया। जिसके बाद पुलिस ने हत्या में शामिल मृतका के चाचा और उसके चचेरे बाबा को गिरफ्तार किया है तीनों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि मृतका कमलेश के साथ ही जाने की जिद किए हुए थी जबकि दोनों लोगों की बिरादरी अलग–अलग है इसे लेकर उसे परिवार की इज्जत का वास्ता देकर बहुत समझाने का प्रयास किया लेकिन जब उसकी समझ में नहीं आया तो परिवार की इज्जत की खातिर उसकी गला घोटकर हत्या करके शव को खेत में फेक दिया।

ईडी ने हरदोई के फार्मेसी कालेज में की रैड, 6 घंटे से गेट बंद कर चल रही कार्रवाई

हरदोई। स्कालरशिप स्कैम मामले में जांच कर रही ईडी की टीम गुरुवार को यहां भी पहुंच गई। सुबह–सुबह पहुंची ईडी की टीम ने अतरौली थाने के मदारपुर में फार्मेसी कालेज को अपने घेरे में ले लिया। वहां गेट में ताला डलवा कर अभिलेखों की छानबीन शुरू कर दी।बताया गया है कि तकरीबन 6 घंटे हो चुके थे, लेकिन ईडी की छानबीन जारी थी।बताते चलें कि स्कालरशिप स्कैम मामले की पूरे प्रदेश में ईडी की छापामारी चल रही है। लखनऊ, बाराबंकी और फर्रुखाबाद के बाद गुरुवार की सुबह ईडी ने हरदोई में दस्तक दे दी। उसने अतरौली थाना इलाके के मदारपुर में फार्मेसी कालेज में छापा मारा। बताते हैं कि जाते–जाते ईडी की टीम ने कालेज के गेट में ताला बंदी करते हुए वहां छानबीन शुरू कर दी। इसका पता होते ही कालेज प्रशासन में खलबली मच गई।ईडी की टीम ने किसी को भी कुछ सोचने–समझने का कोई मौका नहीं दिया। टीम के कालेज में दाखिल होने से पहले वहां सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया था। ईडी की इतनी आनन–फानन में की गई छापामारी से हर कोई हैरान रह गया। आखिर सारा मामला क्या है?कालेज में छानबीन करने के दौरान क्या हाथ लगा ? ईडी की टीम इन सवालों का जवाब देने से फिलहाल बचती हुई दिखाई दे रही है। हालांकि माना जा रहा है कि सब कुछ पुख्ता जानकारी मिलने के बाद ही ईडी ने फार्मेसी कालेज में कदम रखा।टीम के कालेज में दाखिल होने से पहले वहां सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया था। ईडी की इतनी आनन–फानन में की गई छापामारी से हर कोई हैरान रह गया। आखिर सारा मामला क्या है ?,कालेज में छानबीन करने के दौरान क्या हाथ लगा ? ईडी की टीम इन सवालों का जवाब देने से फिलहाल बचती हुई दिखाई दे रही है। हालांकि माना जा रहा है कि सब कुछ पुख्ता जानकारी मिलने के बाद ही ईडी ने फार्मेसी कालेज में कदम रखा।

भारतीय लोकतंत्र में हो गांधी दृष्टि का स्वराजः नंदकिशोर आचार्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। गांधी विचार एवं शांति अध्ययन संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के अलावा तीन तकनीकी सत्र हुआ। उद्घाटन सत्र में जयपुर से आए प्रख्यात गांधीवादी लेखक और हिंदी के वरिष्ठ कवि नंदकिशोर आचार्य तथा दिल्ली से आए सुपरिचित साहित्यकार गोपेश्वर सिंह ने लोकतंत्र के विस्तार और विकास को परिभाषित किया। भारतीय लोकतंत्र को गांधीवादी दृष्टि से व्याख्यायित किया।नंदकिशोर आचार्य ने कहा कि गांधी के स्वराज को लोकतंत्र के मजबूती हेतु उपयोग में लाए जाने की जरूरत है। कहा कि स्वराज का अर्थ सरकार के नियंत्रण से मुक्त होने का सतत प्रयास किया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र अभिव्यक्ति महसूस कर सके। आज लोकतंत्र को राजनीतिक लोकतंत्र होने से पहले नैतिक लोकतंत्र की ओर ले चलना होगा। लोकतंत्र में सत्ता का रूपांतरण नागरिक दमन की ओर नहीं जाना चाहिए। गोपेश्वर सिंह ने कहा कि गांधी की राजनीति आचरण की राजनीति है, उसे अलग करके नहीं देखा जा सकता, जैसे भक्त कवियों की रचनाओं को उनके जीवन से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

इस सत्र में स्वागत वक्तव्य देते हुए गांधी विचार एवं शांति अध्ययन संस्थान के निदेशक और संगोष्ठी के संयोजक प्रो. संतोष भदौरिया ने संस्थान की गतिविधियों और संगोष्ठी के वैचारिकी को परिभाषित किया, साथ ही इस संगोष्ठी में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। इस सत्र का संचालन डॉ. अमृता ने किया।प्रथम सत्र में श्आजादी के पचहत्तर सालरू भारत निर्माण के वैचारिक आयामश विषय पर मुख्य वक्तव्य देते हुए बिहार के पटना से आए वरिष्ठ लेखक और संस्कृतिकर्मी प्रेम कुमार मणि ने वैचारिक स्तर पर भारत के बनने की कहानी को अनेक कथाओं के जरिए बताया। यह बताया कि बीसवीं सदी के उपनिवेशवाद से भारत ने खुद की सशक्त वैचारिकी निर्मित की। जिसमें राष्ट्रीय आंदोलन के बाद समाजवादी आंदोलनों की बड़ी भूमिका रही। इसके साथ ही वरिष्ठ पत्रकार और रचनाधर्मी दिल्ली से अरुण कुमार त्रिपाठी, इविवि के राजनीति विज्ञान के प्रो. पंकज कुमार, युवा अध्येता डॉ. जितेंद्र विसारिया और डॉ. अखिलेश पाल ने शोध वक्तव्य दिया। इस सत्र का संचालन डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। आज के सत्रों के समापन के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बरगद कला मंच की छात्राओं ने अनुवाद अधिकारी हरिओम कुमार के निर्देशन में कबीर और गांधी गायन का सांगीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रोजगार मेला में 123 को मिली नौकरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने चयनित 123 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कुलपति के हाथ से नियुक्ति पत्र मिलते ही सभी अभ्यर्थी खुशी से झूम उठे। रोजगार मेला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि यह हम सब की जीत है। हमारे विद्यार्थियों को नौकरी मिली है और कंपनियों को भी योग्य अभ्यर्थी प्राप्त हुए हैं। उन्होंने चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की और कंपनियों के प्रतिनिधियों को साधुवाद देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अगली बार वृहद स्केल पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।

रोजगार मेला के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव विनय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार इतने वृहद स्तर पर रोजगार मेला का आयोजन किया है। भविष्य में विश्वविद्यालय अपने छात्रों को रोजगार देने के लिए बड़ी–बड़ी कंपनियों को आमंत्रित करेगा।

छात्रों ने लिखा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल को रक्त पत्र

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आंदोलनकारियों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के केंद्रीय लाइब्रेरी के गेट पर बैठ कर महामहिम राष्ट्रपति भारत गणराज्य, महामहिम राज्यपाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 940 दिनों से चल रहे आंदोलन को संज्ञान में लेने के लिए विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार विभिन्न अनियमितताओं को संज्ञान में लेने के लिए छात्रों ने रक्त पत्र लिखा।छात्र नेता अजय सम्राट ने कहा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आघोषित आपातकाल चल रहा है। विश्वविद्यालय में पूर्ण रूप से तानाशाही का अंधकार व्याप्त है। इस अंधकार को दूर करने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय में खून का एक कतरा बहाना बहाने के लिए छात्र मजबूर हो रहा है छात्रों की मांग है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी सदियों पुरानी लाइब्रेरी है इसी लाइब्रेरी से पढ़कर निकले लोग इस देश का नेतृत्व कर रहे हैं आज भी देश के कोने कोने में और उच्च पदों पर विराजमान हैं। केंद्रीय लाइब्रेरी में जर्नल और अध्ययन सामग्री ना के बराबर है। जो है वह भी पुराने जमाने की है लाइब्रेरी किताबों की कमी से जूझ रहा है। छात्र छात्राओं को बिना अध्ययन सामग्री के पढ़ाई करने में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। वहीं दूसरी तरफ कंप्यूटर लैब छात्रों के अनुपात में कंप्यूटर नहीं है। कंप्यूटर लैब में जो भी कंप्यूटर है वह कहीं न कहीं टेक्निकल रूप से ध्वस्त हो चुके हैं। छात्र छात्राओं को बैठने के लिए लाइब्रेरी में पर्याप्त मात्रा में कुर्सी नहीं है। शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। जिससे छात्र छात्राओं के पठन–पाठन में काफी व्यवधान उत्पन्न हो रहे हैं। छात्र छात्राओं के लिए टॉयलेट की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल से छात्रों ने अनुरोध किया है कि इस मामले को गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लें अन्यथा समस्त छात्र–छात्राएं बड़े आंदोलन करने के बाध्य होंगे।

इस मौके पर छात्र नेता निखिल यादव, ललित श्रीवास्तव, त्रयंबक नाथ, गोलू पासवान, अभिषेक यादव, जलज यादव, हरेंद्र यादव, मनजीत पटेल, शिवबली यादव, मुबाशिर हारून, अनुराग यादव, राहुल पटेल, शैलेंद्र यादव, आलोक तिवारी, प्रियांशु, रिंकू सिंह, प्रकाश कुंडा, विनीत शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

सपा कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव घूमकर किया लोगों से किया जनसंपर्क

प्रयागराज। सपा कार्यकर्ताओं ने करछना क्षेत्र में गांव–गांव घूमकर लोगों से जनसंपर्क किया।समाजवादी पार्टी के करछना विधानसभा के पूर्व विधायक उज्जवल रमण सिंह के छोटे भाई उत्कर्ष रमण उर्फ विक्की भैया ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ करछना क्षेत्र के डाड़ो, रोकड़ी, नरैना मच्छर उर्फ पुरवा, ककरम, आदि गांवों में भ्रमण कर लोगों का हाल–चाल जाना। डाड़ो गांव में आदिवासी बस्ती में हाल ही में बबलू आदिवासी नामक व्यक्ति की अचानक मौत हो गई। जब इस घटना की जानकारी सपा कार्यकर्ताओं को हुई तो सपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर के डाड़ो गांव में आदिवासी बस्ती में पहुंचकर गरीब परिवार का मदद की। गांव के लोगों ने इस कार्य को देखकर सपा कार्यकर्ताओं की काफी सराहना की। सपा कार्यकर्ताओं में कांति पासी– ब्लॉक अध्यक्ष करछना समाजवादी पार्टी, राजकुमार शर्मा, शिव शंकर शर्मा, बबुआन आदिवासी, मुन्नालाल आदिवासी, सुग्रीव आदिवासी, लव–कुश पाल समाजसेवी, सर्वेश मिश्रा, राधेश्याम पांडे, डॉ महेश, अभिषेक चौधरी, उदित शर्मा, अनिल पटेल, आशीष पांडे आदि मौजूद रहे।

हज-2023 हेतु 10 मार्च तक करें आनलाइन आवेदन

प्रयागराज। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कृष्ण मुरारी ने बताया है कि हज–2023 के फार्म आवेदन करने की तिथि 10 फरवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 10 मार्च तक जारी रहेगा। सचिव एवं कार्यपालक अधिकारी के गाइडलाइन के अनुसार इस साल आवेदकों की न्यूनतम व अधिकतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इस बार एक कवर में एक ही परिवार के अधिकतम चार एवं न्यूनतम एक वयस्क व दों इंफेण्ट आवेदन कर सकेगें। आवेदन करते समय कोई रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा नहीं करना है। हज की निर्धारित अन्तिम तिथि को भारतीय अंतराष्ट्रीय पासपोर्ट की वैद्यता 03 फरवरी 2024 से कम नहीं होना चाहिए। आनलाइन आवेदन के समय पासपोर्ट का पहला और अंतिम पृष्ठ, सफेद पृष्ठभूमि की नवीनतम पासपोर्ट आकार की फोटो, कवर हेड के निरस्त चेक की प्रति अथवा बैंक पासबुक के पहले व अन्तिम पृष्ठ की प्रति, पते के प्रमाण की प्रति, कोविड–19 वैक्सीन प्रमाण पत्र की प्रति अपलोड करना अनिवार्य है। हज 2023 हेतु अन्तिम रूप से कुल खर्च निर्धारण नहीं हुआ है। प्रत्येक आवेदक के लिए मान्यता प्राप्त कोविड–19 की वैक्सीन का लगा होना अथवा उड़ान से एक माह पूर्व लगवाना आवश्यक होगा तभी यात्रा की अनुमति होगी। बिना महरम श्रेणी की महिलाएं जिनकी आयु आवेदन के समय 45 वर्ष से कम न हो वह महिलाएं अकेले अथवा अधिकतम चार के ग्रुप में आवेदन कर सकती है। उन्हे लेडीज विदाउट मरहम कैटेगरी में रखा जायेगा।हज–2023 हेतु आनलाइन आवेदन हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई की वेबसाइट पर 10 फरवरी से प्रारम्भ है। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 10 मार्च निर्धारित की गयी है। मो0 नं0 7310103543 पर सम्पर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कोरांव पुलिस टीम द्वारा थाना कोरांव में पंजीकृत मु0अ0सं0 53/2023 धारा 354ख/506 भादवि एवं 9/10 पाक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त हयात खान पुत्र मंसूर अहमद उर्फ भुवर ग्राम सेमरिहा थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को आज दिनांक 16.02.2023 को ग्राम सेमरिहा थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–हयात खान पुत्र मंसूर अहमद उर्फ भुवर ग्राम सेमरिहा थाना कोरांव जनपद प्रयागराज, उम्र 35 वर्ष सम्बन्धित अभियोग का विवरण–मु0अ0सं0 53/2023 धारा 354ख/506 भादवि एवं 9/10 पाक्सो एक्ट थाना कोरांव प्रयागराज ।आपराधिक इतिहास–मु0अ0सं0 525/2022 धारा 13 जुआ अधि0 थाना कोरांव प्रयागराज । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 अबू तालिब जैदी थाना कोरांव प्रयागराज 2. का0 योगेन्द्र कुमार थाना कोरांव प्रयागराज।

प्रेम प्रसंग में हुई थी युवक की हत्या, दो गिरफ्तार

मथुरा। थाना जैत पुलिस ने बुधवार की देर रात मुठभेड़ में दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया। जवाबी फायरिंग में गोली लगने से घायल हुए युवकों से पुलिस ने मोटरसाइकिल, तमंचा बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को जिला अस्पताल भिजवाया गया है। यहां बताते चलें कि शनिवार सुबह जैंत क्षेत्र में प्रसिद्ध गरुण गोविंद मंदिर के समीप सरसों के खेत में आशीष पुत्र अशोक मिश्रा निवासी गोसाईगंज, सुल्तानपुर का शव मिला था। पुलिस ने खुलासा किया है कि युवक की हत्या प्रेम प्रसंग में हुई है। जिसको पहचान मिटाने की नीयत से जलाने का प्रयास भी किया गया था। जिसमें मृतक के पिता ने नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। युवक की हत्या में प्रयोग किए गए धारदार हथियार, मोबाइल फोन व युवक की बाइक को माइनर से हटाने की सूचना मिली थी। जैंत पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया तो उन्होंने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जबाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से दो आरोपी घायल हो गए। जिनकी पहचान अशोक निवासी सिवान बिहार और राहुल निवासी गोरखपुर के रूप में हुई है।पुलिस ने उनके कब्जे से मृतक की मोटरसाइकिल,मोबाइल और हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की है।

पुलिस ने मेरठ के तीन चोरों को पकडा

मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस ने एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह के तीन सदस्यों को पकडा है। इनके पास से दो तमंचा और 27 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक ये लोग किसी वारदात की फिराक में थे। इन लोगों ने पूर्व में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। अमान पुत्र मशकुरा निवासी सराय लालदास देहलीगेट जनपद मेरठ, सोएब पुत्र सरताज निवासी सरायलाल दास देहलीगेट जनपद मेरठ तथा गुफरान पुत्र इरफान निवासी सलाय लालदास थाना देहली गेट जनपद मेरठ को नंदगांव पुल कोसीकलां के पास भगवती मोबाइल सेंटर से कुछ एंड्रायड मोबाइल, 10 मैमोरी कार्ड, पांच पेनड्राइव, पांच पावर बैंक, दो ब्लूटूथ, पांच नेकबैंड मिले।

डीएम ने यमुनापार में कई स्थानों का किया निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने तहसील कोरांव के अन्तर्गत आदर्श गौशाला बेलहट तथा आदर्श गौशाला लतीफपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गो–वंशों को चिन्हित कर अलग–अलग रखने के लिए कहा है। उन्होंने बच्चों के लिए अलग शेड बनाकर उनकी मां के साथ रखकर विशेष देखभाल करने के निर्देश दिये है। अस्वस्थ गोवंश कों चिन्हित कर अलग रखने तथा उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रधान एवं सचिव से वहां पर उपलब्ध भूसा, चोकर आदि की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया है कि भूसा, चोकर एवं पीने का पानी की समुचित व्यवस्था बनाये रखी जाये। उन्होंने वहां पर वर्मी कम्पोस्ट बनाये जाने की जानकारी लेते हुए वर्मी कम्पोस्ट बनाने का अच्छी तरह से प्रशिक्षण दिये जाने का निर्देश भी दिया हैं। जिलाधिकारी ने आदर्श गौशाला लतीफपुर में वर्मी कम्पोस्ट बनाये जाने हेतु आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी कोरांव को दिए है। गौशाला लतीफपुर में लगभग 800 कु0 भूसा भण्डारण क्षमता के नवनिर्मित शेड का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने गोवंश स्थल पर संरक्षित गोवंशों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा गोवंशों का टीकाकरण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने वहां पर गोपालक को अनिवार्य रूप से रहने के निर्देश दिए है।

माघ मेला क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व पर कल प्रतिबंधित रहेगा यातायात

प्रयागराज। महाशिवरात्रि स्नान एवं दर्शन पर्व के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन एवं सुरक्षा कारणों से मेला क्षेत्र में आने वाले समस्त वाहनों हेतु यातायात डायवर्जन एवं पार्किंग की व्यवस्था 17 फरवरी को रात्रि 8.00 बजे से 19 फरवरी को सुबह 08.00 बजे तक अथवा भीड़ समाप्ति तक रहेगा।एसपी मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र के अनुसार मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि संगम नोज पर बनी पार्किंग पर चार पहिया व दो पहिया वाहन, महावीर मंदिर के समीप बनी पार्किंग पर चार पहिया व दो पहिया वाहन, संगम व महावीर पार्किंग भर जाने की स्थिति में निम्नुसार चार पहिया व दो पहिया वाहनों की पार्किंग होगी।

इडा के विशेषज्ञों ने बताया दांतो को स्वस्थ और मजबूत रखने के उपाय

प्रयागराज। माघ मेला प्रयागराज रिजर्व पुलिस लाइंस के मानसरोवर सभागार में आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र की अध्यक्षता में इंडियन डेंटल एसोसिएशन के द्वारा दंत स्वास्थ्य चिकित्सा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मानसरोवर सभागार में आयोजित जागरूकता शिविर में दंत विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा उपस्थित सभी पुलिस कर्मचारियों को तंबाकू,सिगरेट के इस्तेमाल से कैंसर जैसे जानलेवा दुष्प्रभावों के बारे में सभी को बताकर, जागरुक किया गया। दंत विशेषज्ञों के द्वारा बताया गया कि दांतो के बीच श्जर्म बिल्ड अपश को नियमित रूप से साफ करने से दांतो मे होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। साथ ही दांतों में दर्द की असुविधा महसूस होने पर दंत चिकित्सकों से सलाह लेकर जांच करा सकते हैं। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से आप अपने दांतो को बेहतर स्थिति में रख सकते हैं जैसे रोचक सुझाव भी दिए गए। जागरूकता गोष्ठी के उपरांत वरिष्ठ दंत चिकित्सकगणों द्वारा पुलिस कर्मियों का दंत परीक्षण शिविर भी चलाया गया जिसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने अपनी दातों की जांच कराकर परामर्श प्राप्त किया।इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ अमित शुक्ला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, प्रदेश सचिव सचिन प्रकाश, प्रयागराज शाखा अध्यक्ष रंजन बाजपेई, डॉ संदीप शुक्ला, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ ए पी सिंह के साथ पुलिस विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला श्री मिश्र द्वारा सभी वरिष्ठ दंत चिकित्सकगण का आभार प्रकट किया गया।

शिक्षकों के हित और कार्यकर्ताओं के सम्मान की लड़ाई लड़ता रहूंगाः बाबूलाल तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद झांसी शिक्षक खंड के चुनाव में विजयी होने के पश्चात प्रयागराज पधारे एमएलसी बाबूलाल तिवारी का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया।इस अवसर पर एमएलसी बाबूलाल तिवारी ने प्रयागराज के सभी के सभी प्रधानाचार्य, विद्यालय प्रबंधक और भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट करते हुए कहा कि एमएलसी चुनाव में मिली जीत हमारी नहीं बल्कि सभी शिक्षकों और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं की जीत है। आपके द्वारा दिए गए आशीर्वाद के कारण हम यह चुनाव जीत सके। उन्होंने आगे कहा कि मैं सदैव शिक्षकों के हित और भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए सदा हाजिर रहूंगा और लड़ाई लड़ता रहूंगा। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों को माला पहनाकर आभार जताया और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दी।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि एमएलसी डॉ बाबूलाल तिवारी ने सांसद केसरी देवी पटेल के आवास एवं प्रयागराज महानगर के डॉक्टर केपी जायसवाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, ज्वाला देवी इंटर कॉलेज, एवं अन्य कालेजों में जाकर सभी शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य के प्रति आभार जताया। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से सांसद केसरी पटेल, पूर्व विधायक दीपक पटेल, पदुम जायसवाल, डॉ रमा सिंह, शैलेंद्र मिश्रा, राजेश केसरवानी, प्रमोद मोदी, दिनेश विश्वकर्मा, अजय अग्रहरि। सत्येंद्र जायसवाल, आशीष जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल आदि दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हैं।

लड़ते-लड़ते रावणों से राम शायद थक गया है

प्रयागराज। श्रृंग्वेरपुरधाम में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा जिला प्रशासन प्रयागराज के सहयोग से आयोजित जन–जन के राम ष्रामायण कॉन्क्लेवष के अंतर्गत ष्राष्ट्रीय कवि सम्मेलनष का आयोजन किया गया।

प्रयागराज के वरिष्ठ कवि योगेन्द्र कुमार मिश्र, रायबरेली के डा0 पीयूष मिश्र, लखनऊ के अभय निर्भीक, प्रयागराज के शैलेंद्र मधुर ने अपनी राम पर केन्द्रित रचनायें सुनाकर श्रोतागण को रोमांचित कर दिया।योगेन्द्र मिश्रा ने ष्लड़ते–लड़ते रावणों से राम शायद थक गया है।इसलिए पुरुषार्थ का रथ मध्य–पथ में रुक गया हैष सुनाकर श्रोताओं को उद्वेलित कर दिया।

इस अवसर पर श्रृंग्वेरपुरधाम रामायण समिति के महासचिव मनोज द्विवेदी, वरिष्ठ गीतकार शम्भूनाथ श्रीवास्तव, अयोध्या शोध संस्थान मनीष, दुर्गेश पाठक, संस्कृति विभाग के और अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण तथा अन्य सामान्यजन उपस्थित रहे।

सबीहा मोहनी आज के समय की वीरांगना : केके राय

प्रयागराज। इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले मौलाना हसरत मोहनी की वंशज तथा प्रसिद्ध समाजसेवी और जन सरोकारों के लिए हमेशा संघर्ष करने वाली समाजसेवी सबीहा मोहनी का विगत 7 फरवरी को निधन हो गया था। आज नागरिक समाज का तत्वावधान में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में समाज के प्रत्येक वर्ग के लोग उपस्थित थे। सभी वक्ताओं ने सबीहा जी के सामाजिक कार्यों और उनके संघर्ष तथा जीवट पूर्ण गतिविधियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

वरिष्ठ अधिवक्ता के के राय ने उन्हें आज के समय की वीरांगना बताते हुए यह बताया कि सबीहा ने मंसूर पार्क में सीएए एन –आरसी आंदोलन का नेतृत्व किया और अपूर्व जीवटता का परिचय दिया। समाजसेवी अविनाश कुमार मिश्र ने कहा जब योगी सरकार का बुलडोजर जावेद मोहम्मद से घर पहुंचा तो इलाहाबाद का नागरिक समाज सहमा हुआ था परंतु सबीहा जी ने अद्‌भुत साहस का परिचय देते हुए वहां नागरिक समाज की तरफ से प्रतिरोध जताया। कॉमरेड डॉ आशीष मित्तल ने सबीहा जी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने मां के समान सी ए ए –एनआरसी आंदोलनरत लोगों को प्यार तथा साहस बधाया और पूरे 72 दिनों तक आंदोलन का नेतृत्व किया। हज कमेटी के मुखिया असरार नियाजी ने सबीहा की अनेक छुवे अनछुए पहलुओं को याद करते हुए कई मार्मिक प्रसंग सुनाए।इस मौके पर पूर्व विधायक सत्यवीर सिंह मुन्ना, वजीर अहमद, प्रोफेसर सुधांशु मालवीय, एक्टिविस्ट आनंद मालवीय, डॉक्टर पदमा सिंह,रश्मि मालवीय, मनीष सिन्हा, सत्येंद्र कुमार सिंह, एडवोकेट तथा अधिवक्ता मंच के उपाध्यक्ष सईद सिद्दीकी, एडवोकेट काशान सिद्धकी एडवोकेट रेहान, हमीद अहमद ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 04 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। श्रीमान पुलिस आयुक्त प्रयागराज व श्रीमान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त नगर, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नगर व श्रीमान् सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली के पर्यवेक्षण में प्रभारी थाना कोतवाली व उ0नि0 कृष्ण कुमार सरोज अपराध शाखा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के नेतृत्व में थाना कोतवाली व अपराध शाखा की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 16.02.23 को समय करीब 03.15 बजे जी0आई0सी0 स्कूल व रेलवे क्रासिंग के मध्य फ्लाईओवर के नीचे से 04 अभियुक्तों 1– तरुण निषाद पुत्र अवधेश निषाद नि0 उमरपुर नीवां थाना धूमनगंज प्रयागराज उम्र 19 वर्ष, 2– अभिषेक पासी पुत्र दीपचन्द पासी नि0 उमरपुर नीवां थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज उम्र 19 वर्ष, 3– रवि पाल पुत्र ननका पाल नि0 प्रेमनगर थाना कैण्ट जनपद प्रयागराज उम्र 21वर्ष, 4–अब्दुल शेख उर्फ हुसैन पुत्र खुद्दूस शेख नि0 मालदा टाउन थाना मानिकचन्द जिला मालदा (प0बंगाल) हाल पता हड्डी गोदाम थाना करेली जनपद प्रयागराज उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो के कब्जे से चोरी की 10 मोटर साइकिल, 01 स्कूटी , 01 अवैध देशी तमंचा .315 बोर , 01 जिन्दा कारतूस . 315 बोर, 4000 रु0 नकद व 06 अवैध देशी बम बरामद किये गये। उक्त बरामदगी,गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना कोतवाली में मु0अ0सं0 26/23 धारा 411/413/414/419/420/467/468/471 भादवि, मु0अ0सं0 27/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, मु0अ0सं0 28/23 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, मु0अ0सं0 29/23 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, मु0अ0सं0 30/23 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत किया गया।विवरण पूछताछ गिरफ्तार अभियुक्तो द्वारा पूछताछ में बताया गया कि इनके द्वारा योजनाबद्ध तरीके से जनपद के अलग अलग क्षेत्रों से मोटरसाइकिल की रेकी की जाती थी। इनमें से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल खड़ी करने वाले व्यक्ति का पीछा कर रेकी करता था व अन्य दो अभियुक्तगणों द्वारा आस पास की रेकी की जाती थी तथा चौथे अभियुक्त द्वारा मोटर साइकिल चोरी की जाती थी। चोरी करने के उपरान्त इन लोगो द्वारा मोटर साइकिलों की नम्बर प्लेट बदल दी जाती थी, जिससे चोरी की मोटरसाइकिल की पहचान न हो सके।

कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाजों पर दिया जोर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में वृहद रोजगार मेले के अवसर पर विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा बृहस्पतिवार को कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कृषि प्रदर्शनी का उद्‌घाटन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने कहा कि यह कृषि प्रदर्शनी रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए लगाई गई है। प्रदर्शनी में मोटे अनाजों का प्रदर्शन किया गया। जिन में ज्वार बाजरा, रागी, चना की उपयोगिता बताई गई। प्रोफेसर दुबे ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का बुके देकर स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कृषि प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसका लाभ जन जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषक एवं कृषि विज्ञान विषय के शिक्षार्थी जैविक खेती की नयी तकनीक से रूबरू हुए।इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीके स्टालिन व प्रोफेसर पीके पांडेय आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों एवं कृषि उत्पादकों के द्वारा सहभागिता किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान अयोध्या के सचिव कौशल कुमार मिश्रा, जैविक कृषि उत्पादक रामनरेश मौर्य, हथिगहा प्रयागराज के प्रोपराइटर सुधीर मौर्य एग्री क्लीनिक एवं एग्रीबिजनेस सेंटर बहरिया प्रयागराज गणेश कुमार मौर्या सुरखा प्रजाति अमरुद उत्पादक बेरुआ कौशांबी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉ सत्येंद्र बाबू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करके किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक ः–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।